04 - राज्य और व्यक्ति की धर्म आस्था का भेद

05 - न्यायाधीश जैसी निष्पक्षता के भाव से हो चुनाव रिपोर्टिंग

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 08 अप्रैल, 2024

06- देश-गांव के विकास हेतु भाजपा को वोट दें: खण्डेलवाल

07- श्री खाटू श्याम सेवा समिति ने मनाया फाग महोत्सव

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 176 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

गोरी चुप है सेज पर,
देती नहीं सनेस
कौन सुनेगा पीर अब,
मुश्किल है दरपेश
कील बिछायी राह में,
कांटे चारो ओर
पांवों में जूते नहीं,
दूर बहुत है भोर
बढ़ो महल की ओर सब,
ले साहस की ढाल
अभी डरे तो सोच लो
आगे कौन हवाल
काल्ह करे सो आज कर,
आज करे सो अब
क्या कर पायेगा बता,
मर जायेगा तब
राह न सूझे तो उठा
जलती हुई मशाल
बन जा तू रणबांकुरा,
अंधियारे का काल
सांझ पसरती आ गयी,
आंगन तक अलमस्त
अब पीली पड़ने लगी है
सूरज की गश्त
हाल यही गर रहा तो,
उजड़ेगा घर बार
पहले भी लाचार था,
आगे भी लाचार
राजा गहरी नींद में,
दरवानों के ठाट
सरहद पर बोलो मियां,
कब तक जोहें बाट
घर जाने की क्या पड़ी,
तू बेघर दरवेश
चल खुसरो बाहर निकल,
रैन भई चहुं देस।

– सुभाष राय

पहली बात

जनता की अदालत में लोकतंत्र का मुकदमा

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

आपातकाल के बाद 1977 की लू भरी गर्मियों में लोकसभा चुनाव के दरम्यान इंदौर के राजबाड़ा चौक पर एक जन सभा को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने लोगों से जनता पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा था कि 'हम जनता की अदालत में प्रजातंत्र का मुकदमा लाए हैं। फैसला आपको करना है कि आपको लोकतंत्र कबूल है या तानाशाही...?' पैंतालिस साल बाद जून 2024 में सत्रहवीं लोकसभा के निर्वाचन के इस मौजूदा दौर में संविधान और लोकतंत्र से जुड़ा यह सवाल एक मर्तबा फिर सुर्खियों में है। फर्क इतना है कि इस मर्तबा यह सवाल भाजपा के अटल बिहारी वाजपेई नहीं, कांग्रेस के राहुल गांधी उठा रहे हैं।

पैंतालिस साल पहले आपातकाल के बाद मार्च 1977 सम्पन्न लोकसभा चुनाव में तत्कालीन विपक्षी पार्टियों के समूह ने लोकतंत्र और संविधान के रक्षा के सवालों पर सत्ता पार्टी कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया था। आपातकाल के पैंतालिस बाद लोकसभा चुनाव में लोकतंत्र और सवाल सत्ता के सामने रूबरू हैं। उस वक्त इन सवालों को उठाने वालों में भारतीय जनता पार्टी का पहला प्रारूप जनसंघ लीड-रोल में था और सामने कांग्रेस थी। फिलवक्त आरोपों के कठघरे में आपातकाल के बाद यही सवाल उठाने वाली भाजपा है और आरोप लगाने वाली वही कांग्रेस है, जिसे 1977 में लोकतंत्र का गुनाहगार बताया जा रहा था।

जाहिर है कि अपने संविधान की मंशाओं के अनुरूप देश की सत्रहवीं लोकसभा के गठन के लिए आम चुनाव के रूप में लोकतंत्र के जश्न के रूबरू खड़े 'हम भारत के लोग' विरोधाभासों के एक संधि-काल से गुजर रहे हैं, जहां आने वाले राजनीतिक काल-खंड को लेकर आशंकाओं का कुहासा गहराता जा रहा है। 40-35 प्रतिशत मतों से हासिल सत्ता के सिंहासन के सामने 60-65 फीसदी वो लोग खड़े हैं, जो चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उसके मतदाता नहीं हैं। हमारा लोकतंत्र, हमारा संविधान और संसदीय परम्पराएं सिंहासन के पीछे खड़े पैंतीस फीसदी मतदाताओं और सामने खड़े पैंसठ फीसदी मतदाताओं के बीच समन्वय, समायोजन और समरसता के सेतु के रूप में काम करते रहे हैं। पक्ष एवं विपक्ष के बीच कटुता के राजनीतिक हालात में वो दिलासा महसूस नहीं हो पा रहा है कि संविधान और संसदीय परम्पराओं का यह सेतु समरस और समन्वित लोकतंत्र की राहों को ओझल नहीं होने देगा।

गौरतलब यह है कि विपक्ष लोकतंत्र और संविधान पर मंडरा रहे खतरों को मुद्दा बनाकर चुनाव में सत्ता पक्ष भारतीय जनता पार्टी से सवाल-जवाब कर रहा है, जबकि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व इन सवालों को गौर करने लायक भी नहीं समझ रहा है। लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के सवालों पर सत्ता पक्ष की खामोशी ही इस कुहासे का सबब है।

संविधान की बाहें ऐंठ कर लोकतंत्र का चीर-हरण के सवालों का सिलसिला नया नहीं है। कोई भी सत्ता निरंकुशता के इन आरोपों से परे नहीं रही है। कांग्रेस पर वर्षों यह आरोप लगते रहे और अब मोदी-सरकार कठघरे में खड़ी है। मुद्दा यह है कि निरंकुशता का प्रारूप कैसा है? कांग्रेस ने बाकायदा घोषणा करके देश में आपातकाल लगाया था और नागरिक अधिकारों को प्रतिबंधित किया था, नेताओं को जेल में डाला था। मोदी-सरकार पर आरोप है कि वो अघोषित रूप से आपात्काल लगा रही है। देश में अघोषित सेंसरशिप है, लोग गिरफ्तार है और संवैधानिक संस्थाओं का राजनीतिककरण किया जा रहा है।

संविधान, लोकतंत्र और चुनाव राजनीति विज्ञान का सर्वाहुत अध्याय होते हैं। इन मुद्दों पर सबकी अपनी थीसिस होती है। लेकिन इन संस्थाओं पर 'सीरियस थ्रेट' से जुड़े मुद्दों की गंभीरता अलग होती है। वर्तमान देश का एक बौद्धिक तबका राहुल गांधी के इन आरोपों से मुतमईन है कि संवैधानिक संस्थाओं का क्षरण हो रहा है। सबसे ज्यादा फोकस सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग पर है। चुनावी बॉण्ड को असंवैधानिक घोषित करने के बाद होने वाली राजनीतिक प्रतिक्रियाओं में भी इसकी आहट सुनाई पड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदीश अग्रवाल ने इस मसले पर राष्ट्रपति से स्वमेव समीक्षा करने की अपील की है, जबकि देश के कई नामचीन एड्वोकेट्स ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को खुला पत्र लिख कर न्याय-पालिका की गरिमा को अक्षुण्ण रखने का आग्रह किया है।

विपक्ष ने इन पत्रों को भी संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाने की रणनीतिक पहल निरूपति किया है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने भी सुप्रीम कोर्ट के एड्वोकेट्स व्दारा लिख गए चीफ जस्टिस के पत्र पर ट्वीट कर प्रतिक्रिया जाहिर की है। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट इससे विचलित महसूस नहीं होता है। नागपुर हायकोर्ट के शताब्दी समारोह में चीफ जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ का उदबोधन इसका परिचायक है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वकीलों से आव्हान किया है कि वो न्यायालय और संविधान को राजनीतिक मान्यताओं से ऊपर रखें। उनकी यह टिप्पणी चुनावी बॉण्ड पर राष्ट्रपति से सुप्रीम कोर्ट के फैसले की स्वतः समीक्षा की अपील करने वाले सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष की पहल पर नाराजी व्यक्त करते हुए आवांछनीय बताने के बाद सामने आई है। उन्होने कहा कि- 'हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में, अधिकांश व्यक्तियों की एक राजनीतिक विचारधारा या झुकाव हो सकता है। अरस्तु के शब्दों में कहे तो 'मनुष्य राजनीतिक प्राणी है', वकील भी इसका अपवाद नहीं हैं, हालाँकि, बार के सदस्यों के लिए, किसी की सर्वोच्च निष्ठा पक्षपातपूर्ण हितों के साथ नहीं, बल्कि अदालत और संविधान क प्रति होना चाहिए।'

पीएम मोदी ने जबलपुर से की म.प्र.में चुनाव प्रचार की शुरुआत

'देखो कौन आया, बीजेपी का शेर आया'

- पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ी भीड़
- लोगों ने फूल बरसाए और दीपक जलाकर पीएम मोदी का संस्काधानी में स्वागत किया
- स्वागत मंच टूटने से कुछ लोग घायल

जबलपुर (नप्र)। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव को लेकर मध्यप्रदेश में प्रचार अभियान की शुरुआत हो गई है। इसी के तहत पार्टी के स्टार प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जबलपुर में एक किलोमीटर से भी ज्यादा लंबा रोड शो किया। पीएम मोदी के साथ सीएम डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। पीएम मोदी के रोड शो में लोग जमकर नारेबाजी कर रहे है। देखो-देखो कौन आया, बीजेपी का शेर आया। इसके साथ ही जिंदाबाद और जय श्रीराम के नारे सुनाई दे रहे थे। सड़क के दोनों तरफ पीएम की एक झलक पाने को लोग बेताब दिखे। लोगों ने अपने घरों की छत से फूल बरसाए और दीपक जलाकर पीएम मोदी का संस्काधानी में स्वागत किया।

पीएम मोदी खुली जीप में सवार रहे। उन्हें देखने के लिए

बड़ी संख्या में लोग जुटे। लोग पीएम मोदी पर फूल बरसाकर उनका स्वागत कर रहे थे, तो पीएम मोदी भी जनता का अभिवादन कर रहे थे। खास बात ये है कि रोड शो के पूरे रूट में पीएम मोदी के हाथ में बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल रहा।

रोड शो शाम करीब 6.30 बजे कटंगा चौराहे से शुरू हुआ, जो छोटी लाइन पर जाकर खत्म हुआ। रोड शो के रूट में पीएम मोदी के स्वागत के लिए कई मंच बनाए गए थे। कई जगह लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

रोड शो को लेकर लोगों में दिखा उत्साह- पीएम मोदी के रोड शो को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बीजेपी का दावा है कि 50 हजार से ज्यादा लोग रोड शो में जुटे। रोड के दोनों ओर खड़े लोग पीएम मोदी को देखकर उत्साहित दिखे। साथ ही मोदी-मोदी के नारे भी लगा रहे थे। कई लोग अपने हाथों में पीएम मोदी की तस्वीरें लेकर पहुंचे थे। रोड शो के रूट में पीएम मोदी के बड़े-बड़े पोस्टर भी लगाए गए थे।

साधु-संतों ने किया पीएम मोदी का स्वागत- जबलपुर में रोड शो के रूट में साधु-संतों के लिए भी एक मंच बनाया गया था। पीएम मोदी जब यहां पहुंचे तो साधु-संतों ने मंत्रोच्चार के बीच उन पर फूल बरसाकर स्वागत किया। पीएम मोदी ने भी हाथ जोड़कर अभिवादन किया और आशीर्वाद लिया।

स्वागत मंच टूटा, नीचे गिरने से कुछ लोग घायल- पीएम मोदी के रोड शो के दौरान शहर के गोरखपुर क्षेत्र में दो स्वागत मंच टूट गए। जिसके चलते मंच पर खड़े लोग नीचे गिर पड़े। बताया जा रहा है कि इस घटना में कुछ लोगों और पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं।

मुख्तार अंसारी के परिजनों से अखिलेश ने की मुलाकात

बोले-परिवार जनता के बीच रहता है, केशव मौर्य ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गाजीपुर पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के परिवार से मुलाकात की। अखिलेश यादव ने परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जो व्यक्ति इतने वर्षों तक जेल में रहा हो और उसके बाद भी उसे जनता जिता रही है, इसका मतलब वह जनता के बीच में रहकर उसका दुख दर्द बांटता था। अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार जनता के साथ नहीं खड़ी होती, उसका दुख दर्द नहीं बांटती, उसके साथ जनता भी नहीं खड़ी होती है। उन्होंने कहा कि जिस दिन घटना हुई और उसके बाद आज तक जिस तरीके से लोग परिवार से जुड़ रहे हैं, इसका अर्थ है कि परिवार जनता के बीच रहकर उनका दुख दर्द समझता है। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि डेमोक्रेसी बचाने का ये आखिरी चुनाव है। उन्होंने कहा कि अगर वोट देने नहीं निकले तो डेमोक्रेसी खत्म कर दी जाएगी।

पीके का दावा, भाजपा 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी

कहा-पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा में टॉप पर रहेगी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पॉलिटिकल स्ट्रेटजिस्ट प्रशांत किशोर ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ओडिशा और पश्चिम बंगाल में नंबर एक पार्टी बनने जा रही है। तेलंगाना में भाजपा पहले या दूसरे नंबर पर रह सकती है। तमिलनाडु में

- राहुल को सलाह, वायनाड नहीं हिंदी बेल्ट से लड़ें चुनाव

भाजपा का वोट शेयर दोहरे अंक तक पहुंच सकता है। कुल 543 लोकसभा सीटों में से तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, बिहार और केरल में 204 सीटें हैं। हालांकि, भाजपा 2014 या 2019 में इन सभी राज्यों को मिलाकर 50 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी थी। प्रशांत ने कहा- विपक्ष की सुस्त और कमजोर रणनीति की वजह से भाजपा को दक्षिण और पूर्वी भारत में फायदा होता दिख रहा है। इन दो क्षेत्रों में 2019 के

मुकाबले पार्टी के वोट शेयर और सीटें बढ़ सकती हैं। ये दो क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पार्टी की पकड़ कमजोर है। किशोर ने कहा कि भाजपा का प्रभाव है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी को हराया नहीं जा सकता है। विपक्ष के पास भाजपा के रथ को रोकने की तीन संभावनाएं थीं, लेकिन उन्होंने सुस्त और गलत रणनीतियों के कारण तीनों मौके गवां दिए। प्रशांत किशोर ने बताया कि 2014 के बाद भाजपा बैकफुट पर थी। तब कांग्रेस इसका फायदा उठाने में विफल रही। 2015 और 2016 में भाजपा के लिए चुनावी दौर काफी निराशाजनक रहा, जब वह असम को छोड़कर कई विधानसभा चुनाव हार गई थी। 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में जीत के बाद भाजपा का प्रदर्शन फिर से खराब रहा। 2018 में पार्टी कई राज्यों में हार गई, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने उसे वापस आने का मौका दिया।

2020 में कोविड के बाद मोदी को अपनी अप्रूवल रेटिंग में गिरावट का सामना करना पड़ा। भाजपा पश्चिम बंगाल में बुरी तरह हार गई। दूसरी तरफ, विपक्ष के नेता चुनौती का सामना करने के बजाय अपने घरों में बैठ गए, जिससे मोदी को राजनीतिक वापसी करने का मौका मिल गया। अगर आप कैच छोड़ते रहेंगे तो बल्लेबाज शतक बनाएगा, खासकर जब वह अच्छा बल्लेबाज हो।

धार की भोजशाला में 'अकल कुई' की हुई नापी, परिसर के भीतर खोदाई शुरू

धार (नप्र)। ऐतिहासिक भोजशाला के सर्वे के 17वें दिन रविवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की टीम ने कमाल मौलाना की दरगाह के पास स्थित अकल कुई (कुएं) की नापी की। इसके 50 मीटर के दायरे में टीम ने कई जानकारियां संकलित कीं। उधर, भोजशाला के भीतरी भाग में चिह्नित स्थानों पर खोदाई का कार्य शुरू किया गया।

इस प्रकार कुल 14 में से अब सात स्थानों पर वैज्ञानिक तरीके से खोदाई शुरू है। भोजशाला के मध्य स्थित यज्ञशाला के हवन कुंड के आसपास मिट्टी हटाने से जो अवशेष मिल रहे हैं, उन्हें भी सुरक्षित करने का काम किया गया। टीम में अब सर्वेयरों की संख्या 22 है, जबकि श्रमिकों की संख्या 22 से बढ़कर 32 हो चुकी है। भोजशाला के पिछले भाग में खोदाई के दौरान जो दीवार और सीढ़ीनुमा आकृति मिली थी, रविवार को वहां से भी मिट्टी हटाने का काम किया जा रहा है।

वहां खोदाई के लिए सुरक्षित युक्ति भी निकाली जा रही है। हिंदू संगठन के आशीष गोयल एवं गोपाल शर्मा ने बताया कि एक दिन पहले शनिवार को टीम धार के किले में भी गई थी। अब तक सर्वे का कार्य जिस गति से चल रहा था, उसमें रविवार को तेजी आई है।

कृपया सावधान रहें! अबकी मौसम करेगा 'खेला'

साउथ से लेकर नार्थ तक जबरदस्त 'तपा' रहा है सूरज, भीषण गर्मी को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में धूप के साथ बादलों की लुकाछिपी का खेल जारी है। वहीं, दक्षिण भारत समेत देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़नी शुरू हो गई है। तेलंगाना में लू को लेकर येलो अलर्ट जारी किया जा चुका है। लोगों को विशेष रूप से दोपहर में 12 बजे से 3 बजे के बीच घरों से नहीं निकलने की सलाह दी गई है। तेलंगान में पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मुंबई में गर्मी को देखते हुए कोल्ड रूम तक तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, दिल्ली में रविवार को न्यूनतम पारा 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री कम है। दक्षिण भारत समेत अन्य हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों के मन में ये सवाल उठ रहा है कि आखिर उत्तर भारत में लू कब तक दस्तक देगी। अप्रैल की शुरुआत से ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है। इससे लू का खतरा बढ़ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हाल ही में पूर्वानुमान जताया था कि इस साल देश में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा। चुनावी साल में

अप्रैल से जून के बीच उत्तर के मैदानी इलाकों समेत दक्षिण भारत में भीषण गर्मी और लू (हीट वेव) चलेगी। भारत के मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र का कहना है कि अप्रैल और जून के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। मध्य भारत, उत्तर के मैदानी इलाकों और दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में कई दिनों तक लू चलने का अनुमान है।

इन राज्यों में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश शामिल हैं। आईएमडी के महानिदेशक ने कहा कि गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में गर्मी का सबसे बुरा असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अप्रैल में देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने तथा मध्य दक्षिण भारत में इसकी ज्यादा संभावना है। महापात्र ने कहा कि अप्रैल में पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रहने का अनुमान है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 08 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

'प्रधानमंत्री मोदी के एक फोन से रुका रूस-यूक्रेन युद्ध'

● राजनाथ सिंह बोले-पीएम की एक कॉल ने कतर से पूर्व नौसैनिकों को छुड़ाया

जयपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को लेकर देश में प्रचार अभियान जोरों पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार एनडीए 400 पार का नारा दिया है। इसी बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को राजस्थान के बीकानेर पहुंचे। राजनाथ सिंह ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए जहां केंद्र की नीतियों और पीएम मोदी के कार्यों के तारीफ की तो वहीं विपक्षियों की जमकर धज्जियां उड़ाई। इस दौरान राजनाथ सिंह ने रूस-यूक्रेन युद्ध का भी जिक्र किया। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ था। उस समय भारत के बहुत से बच्चे यूक्रेन में पढ़ाई कर रहा थे, जिसके बाद बच्चों के माता पिता ने पीएम मोदी से उन्हें यूक्रेन से वापस लाने की गुहार लगाई।

पाकिस्तान बोला-हमारे नागरिकों को आतंकवादी कहता है भारत

राजनाथ के पड़ोसी देश में घुसकर दुश्मनों को मारने वाले बयान को बताया भड़काऊ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आतंकियों को पाकिस्तान में घुसकर मारने वाले बयान की निंदा की है। इसे भड़काऊ बताया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के नागरिकों को मनमाने ढंग से आतंकवादी करार देना और सजा देने का दावा करना साबित करता है कि वो दोषी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह भारत को उसकी गैरकानूनी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराए। पाकिस्तान उकसावे के किसी भी कदम के खिलाफ अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है।

न्यूजीलैंड ने भारतीय कामगारों को अब दे दिया तगड़ा झटका

वीजा पॉलिसी में किया बड़ा बदलाव, और सख्त किए नियम

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की सरकार ने रविवार को देश में विदेशी कामगारों में कमी करने के लिए वीजा के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। न्यूजीलैंड के वीजा नियमों में बदलाव से भारतीय कामगारों को बड़ा झटका लगेगा। स्पुतनिक की रिपोर्ट के अनुसार, अकेले साल 2023 में 173,000 प्रवासी कामगार न्यूजीलैंड पहुंचे, जिनमें 35 प्रतिशत भारतीय थे। रविवार को जारी बदलाव के बाद ये साफ हो गया है कि न्यूजीलैंड की प्राथमिकता स्थानीय लोगों को रोजगार के ज्यादा मौके देने की है। आप्रवासन मंत्री एरिका स्टैनफोर्ड ने नए नियमों पर कहा, ये परिवर्तन एक अधिक व्यापक कार्यक्रम की शुरुआत हैं, जो एक बेहतर आप्रवासन प्रणाली का निर्माण करती है। हमारे बदलते आर्थिक संदर्भ को जवाब देती है और शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करती है। उन्होंने कहा कि यह स्ववित्तपोषित और टिकाऊ है और जोखिम का बेहतर प्रबंधन करती हैं।

बिहार में नहीं मिला 'मौका', अब दिल्ली में लगाएंगे 'चौका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को उस समय बड़ा झटका लगा था जब बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व करने वाली लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने बेगूसराय की सीट सीपीआई के खाते में दे दी। इसके साथ ही 2019 में गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनावी मैदान में खड़े कन्हैया कुमार को निराशा हाथ लगी। अब खबर आ रही है कि कांग्रेस पार्टी अपने इस स्टार कैंपेनर को दिल्ली की एक सीट से चुनावी अखाड़े में उतार सकती है। कांग्रेस सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी कन्हैया कुमार को दिल्ली की उत्तर पूर्वी सीट से उम्मीदवार बना सकती है। उनके नाम पर अंतिम मुहर आगे होने वाली कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लग सकती है। अगर कांग्रेस उन्हें अपना कैंडीडेट बनाती है तो उनका मुकाबला दिल्ली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी से होगा। मनोज तिवारी 2014 और 2019 के चुनाव में इस सीट से जीत दर्ज कर चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कन्हैया कुमार लेफ्ट के टिकट पर बेगूसराय सीट से चुनावी मैदान में थे। हालांकि, उन्हें इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शानदार जीत दर्ज की थी। कन्हैया कुमार इसके बाद सितंबर 2021 में लेफ्ट छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। राहुल गांधी की न्याय यात्रा के दौरान वह अक्सर उनके साथ दिखते थे। आपको बता दें कि इस लोकसभा चुनाव में दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन हुआ। कांग्रेस के खाते में तीन सीटें गई हैं। कांग्रेस ने अभी तक तीनों में से किसी भी सीट के उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है।

कन्हैया कुमार को दिल्ली से लड़ाने की तैयारी कर रही कांग्रेस

भारत को आंख दिखाने वाले आज आटे के लिए तरस रहे

नवादा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिहार के नवादा में जनसभा की। 30 मिनट की स्पीच में प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन, राम मंदिर, टुकड़े-टुकड़े गैंग, जंगलराज और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन कहता है कि मोदी की गारंटी गैरकानूनी है, इसे बंद कराना चाहिए। उन्होंने गारंटी को गुनाह बना दिया है। उन्होंने कहा कि 370 और तीन तलाक खत्म करने की गारंटी दी थी। जो कहता हूं करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को आंख दिखाने वाले आज आटे के लिए तरस रहे हैं। वे बोले, इंडी गठबंधन के बड़े नेता रैली नहीं कर रहे हैं। पता चला यहां के एक नेता हठ कर के बैठ गए हैं। उनका कहना है कि जब तक मुझे पीएम कैंडीडेट घोषित नहीं किया जाएगा, रैली नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में वो भी समय था, जब बहू-बेटियों को निकलने से डर लगता था। नीतिश जी और सुशील मोदी के प्रयास से बिहार जंगलराज से मुक्त हुआ है। प्रधानमंत्री से पहले सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि याद कीजिए 2005 से पहले बिहार का क्या हाल था। पहले 15 साल पति-पत्नी ने केवल राज किया। बच्चों को बताइएगा। पहले क्या था, हमने कितना काम किया है। नवादा से पहले 4 अप्रैल को पीएम ने जमुई से चुनावी कैंपेन का आगाज किया था। यहां उन्होंने लोजपा (रा) के प्रत्याशी और चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती के पक्ष में सभा की थी। मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले सनातन धर्म को समाप्त करने की बात करते हैं। इंडी गठबंधन वाले भारत के एक और विभाजन करने की बात करते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता खुलेआम बयान दे रहे हैं कि वो दक्षिण भारत को अलग कर देंगे। पीएम ने कहा कि इन लोगों को भ्रष्टाचार की आदत लग चुकी है। इनकी भाषा टुकड़े-टुकड़े गैंग वाली है। इन लोगों ने शहीदों का अपमान किया है। इंडी गठबंधन में कोई विजन नहीं है। दिल्ली में जो नेता हाथ मिलाकर साथ खड़े होते हैं, वो अपने-अपने राज्य में एक-दूसरे के खिलाफ हैं।

बिहार में पीएम बोले-इंडी गठबंधन ने गारंटी को गुनाह बनाया

राहुल ने जितनी आबादी उतना हक पर दिया जोर, कहा-

अगर चुनाव जीते तो संपत्ति का कराएंगे सर्वे

हैदराबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, पार्टियों ने प्रचार का काम तेज कर दिया है। तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वायनाड से पार्टी के प्रत्याशी राहुल गांधी ने जितनी आबादी उतना हक पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम सरकार बनाने में कामयाब रहे तो वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएंगे और पता लगाएंगे कि देश की अधिकतर संपत्ति पर किसका कब्जा है। इसके बाद संपत्ति को उनके असली हकदारों को वितरित करने की कवायद की जाएगी। उन्होंने रैली में वादा किया कि कांग्रेस पार्टी हर क्षेत्र में हर समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रही है। तेलंगाना के तुक्कुगुडा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने चुनावी घोषणापत्र के मुताबिक जितनी आबादी उतना हक के सिद्धांत पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आती है तो हम सबसे पहले पिछड़ी जातियों, एससी, एसटी, अल्पसंख्यकों और अन्य जातियों की सटीक आबादी और स्थिति जानने के लिए एक जाति जनगणना करेंगे। उसके बाद, वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण शुरू होगा। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की संपत्तियों, नौकरियां और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को समुदाय की जनसंख्या के आधार पर वितरित करने का ऐतिहासिक कार्य करेगी। राहुल ने दावा किया कि पिछड़ी जातियां, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी भारत की आबादी का लगभग 90 फीसदी हैं, लेकिन सरकारी नौकरियों, बड़ी कंपनियों और अन्य क्षेत्रों में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है।

राहुल गांधी ने कहा कि कड़वी सच्चाई यह है कि देश की 90 फीसदी आबादी की सरकारी फैसले लेने में कोई हिस्सेदारी नहीं है। देश का प्रशासन चलाने वाले कुल 90 आईएएस अधिकारियों में से केवल एक आदिवासी और तीन दलित हैं।

महाराष्ट्र की सियासत

उद्धव और शरद पवार लड़ रहे अस्तित्व की लड़ाई

एकनाथ शिंदे के सामने भी कड़ी परीक्षा, लोकसभा चुनाव तय करेगा भविष्य

मुंबई (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार तेज हो गया है। इस बीच महाराष्ट्र की दो बड़ी क्षेत्रीय पार्टियां आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं। उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद) के सामने बड़ी चुनौती खड़ी है। वहीं यह चुनाव मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार के लिए भी परीक्षा की तरह है। दोनों ने ही अपने दलों में तोड़फोड़ की और भारतीय जनता पार्टी नीत गठबंधन में शामिल हो गए। लेकिन ठाकरे और शरद पवार के लिए चुनौती अधिक बड़ी है क्योंकि वे सत्ता से बाहर हैं और उन्होंने अपने दलों - क्रमशः शिवसेना और एनसीपी का मूल नाम और चुनाव चिह्न भी गंवा दिया है। निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को असली एनसीपी और असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक प्रकाश अकोलकर ने कहा कि दोनों नेताओं को चुनाव में प्रभावशाली प्रदर्शन करने की जरूरत है, वरना उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। अकोलकर ने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव तक अपने समूह को एकजुट रखने के लिए उद्धव ठाकरे के लिए जरूरी है कि उनके कम से कम छह-सात उम्मीदवार चुनाव जीतें। वरिष्ठ पत्रकार ने बताया कि ठाकरे को उतनी ही लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ना है जितनी सीट पर उनकी पार्टी ने तब चुनाव लड़ा था जब वह 2019 में भाजपा के सहयोगी थी तथा ठाकरे ने अबतक 21 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर ऐसा ही किया है जबकि कांग्रेस इनमें से कुछ सीट पर दावा कर रही थी।

यह कैसा गठबंधन!

'इंडिया' की सहयोगी कांग्रेस पर बरसे केरल सीएम विजयन

आरएसएस के साथ बताया संबंध, की घोषणापत्र की आलोचना

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को इंडिया गठबंधन की अपनी सहयोगी पार्टी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र की आलोचना करते हुए विजयन ने कहा कि यह सांप्रदायिक हिंदुत्व राजनीति से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने में फेल है। अलप्पुझा में अपने संबोधन के दौरान विजयन ने कहा, सीपीआई (एम) का घोषणापत्र विभाजनकारी सीएए को रद्द करने के अपने इरादे को स्पष्ट रूप से बताता है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ एएपी नेताओं का उपवास

जंतर-मंतर पर जुटे दिल्ली के मंत्री, भाजपा ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार का मॉडल दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी नेताओं ने रविवार को देशभर में सामूहिक उपवास शुरू किया। पार्टी के बड़े नेता दिल्ली के जंतर-मंतर पर सुबह उपवास के लिए पहुंचे। आम आदमी पार्टी की मांग है कि शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। उन्हें ईडी ने झूठे मुकदमे में फंसाया है। पार्टी ने ङ्क पर पोस्ट में कहा- तानाशाही के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। आओ मिलकर देश के बेटे के लिए आवाज उठाएं। इससे पहले एएपी ने 26 मार्च को भी देशभर में प्रदर्शन किया था। दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ता पीएम आवास का घेराव करने भी निकले थे, लेकिन उन्हें रास्ते में रोककर पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी नेताओं ने शराब से शीश महल अभियान के तहत एएपी के खिलाफ प्रदर्शन किया।

यूपी में ट्रेन पर पथराव करने वालों की अब खैर नहीं

आरपीएफ कमांडेट ने पत्थरबाजों को पकड़ने के लिए बनाई स्पेशल टीमें

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ट्रेनों पर पथराव करने वालों की अब खैर नहीं है। पथराव करने वालों को पकड़ने के लिए अब आरपीएफ यात्रियों के बीच मौजूद रहेगी। आरपीएफ कमांडेंट ने मंडल के सभी थानों के साथ पत्थरबाजों को पकड़ने के लिए स्पेशल टीमें बनाई है।

दरअसल सप्ताह भर पहले लखनऊ की ओर से आ रही शताब्दी एक्सप्रेस पर अमेठी से चिलबिला के बीच पथराव हुआ था। यात्रियों ने इसकी सूचना अफसरों को दी। कुछ और ट्रेनों पर पथराव की घटनाओं को देखते हुए लखनऊ आरपीएफ कमांडेंट आशुतोष पांडेय ने लखनऊ मंडल के सभी थानों पर टीम गठित की है। टीम के लोग पथराव करने वालों की सादे कपड़ों में तलाश करेंगे। रेललाइन के आसपास मंडराने वालों को भी चिह्नित किया जाएगा।

सूर्य ग्रहण आज, अंतरिक्ष में दिखेगा दुर्लभ नजारा

सूरज के छिपते ही नजर आएंगे एक साथ 7 ग्रह, भारत में नहीं आएगा नजर

वाशिंगटन (एजेंसी)। एक दिन बाद यानी कल 8 अप्रैल को साल का पहला सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, ये एक पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा जिसे मेक्सिको, अमेरिका और कनाडा में रहने वाले लोग नंगी आंखों से देख सकेंगे। उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए ये सूर्य ग्रहण कई मायनों में खास होने जा रहा है। ये पिछले 5 दशकों का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण होगा। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रहने वाले अब 20 साल बाद ही पूर्ण सूर्य ग्रहण देख सकेंगे। 8 अप्रैल को होने वाला सूर्य ग्रहण भारत में नजर नहीं आएगा क्योंकि जिस समय अमेरिका में ये ग्रहण हो रहा होगा, उस समय भारत में रात होगी। हालांकि, भारत में रहने वाले भी ग्रहण के दिलचस्प नजारे को देख सकते हैं। सूर्य ग्रहण को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए देखा जा सकेगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने पूर्ण सूर्य ग्रहण को अपने यूट्यूब चैनल पर लाइव दिखाने का फैसला लिया है। भारतीय समयानुसार इसे 8 अप्रैल को रात्रि 10 बजे से 9 अप्रैल को सुबह 1.25 बजे के बीच देखा जा सकता है। सूर्य ग्रहण के दौरान जब दिन में अंधेरा छाएगा तो लोगों को सूर्य के कोरोना का रोमांचित करने वाला दृश्य दिखाई देगा।

मोतियाबिंद के शिविर में आठ लोगों की आंखों की रोशनी जाने की शिकायत, ऑपरेशन थियेटर किया सील

इंदौर, एजेंसी। चोइथराम नेत्रालय में हाल ही में मोतियाबिंद की सर्जरी कराने वाले आठ मरीजों की संक्रमण के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली जाने की शिकायत स्वास्थ्य विभाग को मिली थी। यह सर्जरी 20 मार्च को नेशनल प्रोग्राम फार कंट्रोल आफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत एक शिविर में की गई थी। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल के आपरेशन थिएटर को सील कर दिया, जहां सर्जरी की गई थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस मामले में तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया गया, जबकि जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने भी इसकी रिपोर्ट मांगी है। एनपीसीबी के जिला नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप गोयल के मुताबिक 20 मार्च

को राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी) के तहत शिविर में चोइथराम नेत्रालय में आठ मरीजों की मोतियाबिंद की सर्जरी की गई, जिनमें से अधिकांश मरीज इंदौर, उज्जैन और धार जिलों के थे।

79 मोतियाबिंद सर्जरी की गई

शिविर में करीब 79 मोतियाबिंद सर्जरी की गई और मरीजों को अगले दिन छुट्टी दे दी गई थी। जिसमें से चार मरीजों को कुछ संक्रमण और आंखों की रोशनी कम होने की शिकायत आई। जांच के बाद प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। 50 से 85 वर्ष की आयु के मरीजों को सर्जरी के अगले दिन सूजन, जलन और आंखों की रोशनी कम होने की समस्या होने लगी। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने कल्चर परीक्षण के लिए ओटी के नमूने भी एकत्र किए थे, जो नकारात्मक पाए गए। हम मामले की जांच कर रहे हैं और सोमवार को प्रभावित मरीजों को बुलाएंगे। ओटी को पहले ही सील कर दिया गया है और अस्पताल से स्पष्टीकरण मांगा गया है। संक्रमण का कारण पता नहीं चल सका है। हमारी टीम मामले की जांच कर रही है और हम मरीजों को सभी चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर मरीज ठीक हो रहे हैं और इलाज के बाद उनकी आंखों की रोशनी वापस आ जाएगी।

इंदौर में छाएंगे बादल, हल्की बारिश भी होगी, अगले एक सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा मौसम

इंदौर, एजेंसी। अगले सप्ताह मौसम में बदलाव दिखाई देने से शहरवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी। सप्ताह के शुरुआत में जहां बादल छाए रहने से दिन व रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। वही 9 अप्रैल से इंदौर में गरज- चमक के साथ हल्की बारिश का दौर शुरू होगा जो सप्ताह के अंत तक जारी रहेगा। बारिश होने के कारण गर्मी का असर कम रहेगा और शहरवासियों को तपिश से राहत मिलेगी। 9 अप्रैल को शहर में धूल भरी तेज हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से भी चलेगी। इसके बाद 10 अप्रैल को हवाओं की गति और भी तेज होगी और हवाएं 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। ऐसे में अगले सप्ताह में मौसम का मिजाज बदलने से गर्मी गायब हो जाएगी और तापमान में गिरावट होने से हल्की ठंडक का अहसास भी शहरवासियों को होगा। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर बना हुआ है। इसके असर से अभी से शहर में बादल छा रहे है। वही एक मानसून द्रोणिका दक्षिण

छत्तीसगढ़ से विदर्भ माराठवाड़ा होते हुए कन्याकुमारी के तटीय इलाके तक जा रही है। बंगाल की खाड़ी में भी एक प्रति चक्रवात बना हुआ है। इसके अलावा 10 अप्रैल को उत्तर भारत में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इस वजह से अगले सप्ताह में अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से नमी मिलने के कारण इंदौर सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियां दिखाई देगी। सप्ताह में दिन में तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के की बीच रहेगा। वहीं रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। इंदौर सहित प्रदेश के अलग-अलग आइसोलेट हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां रहेगी।

एमआर 10 पर बना टोल प्लाजा होगा बंद, ट्रैफिक जाम से मिलेगी मुक्ति

इंदौर, एजेंसी। शहरी सीमा में संचालित हो रहे एमआर-10 स्थित टोल से आमजन को राहत मिलने वाली है। आठ दिन बाद टोल के संचालन के लिए दी गई 86 दिन की अतिरिक्त अवधि समाप्त हो रही है। इसके बाद टोल वसूलने वाली कंपनी को अपने संसाधन यहां से हटाने होंगे। टोल टैक्स बंद होने से वाहनों का आवागमन भी सुगम होगा। एमआर-10 पर 17 साल पहले बने टोल टैक्स की वसूली अब बंद होने वाली है। इंदौर विकास प्राधिकण द्वारा कंपनी को दी गई 86 दिन की अतिरिक्त वसूली की समयावधि 14 अप्रैल को समाप्त हो रही है। इसके बाद टोल टैक्स से वसूली बंद करना होगी। वैसे भी शहरी सीमा में आने से भारी वाहनों से ही वसूली वर्तमान में की जा रही थी। कार और स्थानीय वाहनों को टोल से छूट दी गई थी।

86 दिन का अतिरिक्त समय दिया था

गौरतलब है कि एमआर-10 स्थित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के लिए टोल टैक्स की स्थापना 2007 में हुई थी। 2008 से टोल टैक्स से वसूली शुरू हुई और 6101 दिन टोल की वसूली होना थी। यह अवधि 19 जनवरी को समाप्त हो रही थी, लेकिन कंपनी ने कोविड और नोटबंदी के दौरान बंद रही टोल वसूली के लिए 200 दिन अतिरिक्त वसूली की अनुमति मांगी थी। प्राधिकरण ने 86 दिन का अतिरिक्त समय दिया था।

टोल के पास जाम से मिलेगी मुक्ति

उज्जैन रोड और सुपर कॉरिडोर पर विकसित हो चुकी सैकड़ों कालोनियों में लाखों लोग इसी रास्ते से आना जाना करते है। टोल के पास आए दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। टोल वसूली के लिए रोके जाने वाले वाहनों की वजह से लंबा जाम लगता है। अब टोल बंद होने से वाहन बिना किसी बाधा के आना जाना कर सकेंगे।टोल नाके के पास से करीब दो दर्जन कालोनियों का रास्ता जाता है। टोल बंद होने से इनकी राह भी आसान होगी। टोल की वजह से इन कालोनियों में जाने वाले वाहनों की परेशानी होती है।

आपूर्ति तंग होने से सोया और मूंगफली तेल के दाम में फिर आया उछाल

इंदौर, एजेंसी। सीबाट में इस हफ्ते एक प्रतिशत की गिरावट के बाद शार्ट-कवरिंग देखी गई। शुक्रवार को सोयाबीन के दाम फिर तेजी के साथ बंद हुए। यूक्रेन-रूस के बीच बढ़ते तनाव से कृषि-उत्पादकों की सप्लाई की चिंता के कारण भी सेंटीमेंट को सपोर्ट मिला है। तेजी का एक कारण यह भी है कि क्रूड आइल के भाव में बढ़ोतरी और काले सागर क्षेत्र में बढ़ता तनाव है। इसके चलते भारतीय बाजारों में भी सोयाबीन की आवक कमजोर होने के कारण सोयाबीन की कीमतों में तेजी रही।

प्लांट खरीदी सोयाबीन के दाम करीब 20-25 रुपये तक ऊंचे बोले गए। इधर, खाद्य तेलों की सप्लाई टाइट होने और सीमित रूप से मांग बराबर बनी रहने के कारण खाद्य तेलों की कीमतों में पुनः सुधार देखने को मिली है। शनिवार को सोयाबीन तेल आंशिक सुधरकर 980-985, पाम तेल 1032 और मूंगफली तेल इंदौर 10 रुपये बढ़कर 1520-1540 रुपये प्रति दस किलो पर पहुंच गया। सीबॉट को देखते हुए अर्जेंटीना से सोया ऑयल के एफओबी भाव में भी बढ़त देखने को मिली है। हालांकि यूएसडीए की कमजोर एक्सपोर्ट की रिपोर्ट से लंबी तेजी की उम्मीद कम है। सोयाबीन 4600-4650, सरसों निमाड़ी 5800, एवरेज 5400-5600, राइया 4600-4800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे।

लूज तेल के दाम -

(प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1520-1540, मुंबई मूंगफली तेल 1530, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 980-985, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 940, इंदौर पाम 1032, मुंबई सोया रिफाइंड 980, सोया डीगम 900, मुंबई पाम तेल 975, राजकोट तेलिया 2400, गुजरात लूज 1500, कपास्या तेल इंदौर 940 रुपये।

सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव -

अवी एग्रो 4700, बंसल मंडीदीप 4750, बैतूल आइल तलना 4830, बैतूल 4800, धानुका नीमच 4825, दिव्य ज्योति 4740, पचोर 4740, हरिओम रिफाइनरी 4825, केएन एग्री इटारसी 4720, खंडवा आइल 4750, लिविंग फूड शूजालपुर 4770, मित्तल सोया देवास 4775, एमएस साल्वेक्स नीमच 4800, नीमच प्रोटीन 4825, पतंजलि फूड 4700, प्रकाश 4750, प्रेस्टीज ग्रुप देवास 4775, रामा फास्पेट धरमपुर 4700, आरएच साल्वेक्स सिवनी 4800, सांवरिया इटारसी 4775 रुपये प्रति क्विंटल।

नर्मदा के पानी से नहीं धुल पाएंगे अपनी कार, नियम नहीं माने तो होगी कार्रवाई

इंदौर, एजेंसी। शहर में तेजी से गिरते भू-जल स्तर को सुधारने के लिए निगमायुक्त शिवम वर्मा ने 50 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों की स्पेशल टीम बनाई है। इनमें से 16 नोडल अधिकारी जल शक्ति मिशन के कैच द रैन 2024 अभियान के तहत नियुक्त किए हैं। उनके साथ 40 से अधिक कर्मचारी भी भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। ये टीम एनजीओ, रहवासी संघ, शैक्षणिक संस्थाओं, औद्योगिक संस्थानों, तालाबों के कैचमेंट व चैनल आदि पर काम करेगी। निगमायुक्त नोडल अधिकारियों के कार्यों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा वॉशिंग सेंटर पर नर्मदा और बोरिंग के पानी का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है। मालूम हो, इंदौर का भू-जल क्रिटिकल स्थिति में है। इसके बाद जल संचय अभियान शुरू किया गया। अगले दो दिन में शहर में वाटर रिचार्ज सॉफ्ट तैयार करने का काम शुरू हो जाएगा। नगर निगम ने रिचार्ज सॉफ्ट के लिए ऐसे स्थानों का चयन किया है, जहां बारिश का पानी जमा होता है। सभी जोन से ऐसे स्थानों की सूची मिलने के बाद रिचार्ज सॉफ्ट का काम करने वाली कंपनी ने 100 स्थान चिन्हित किए हैं। रिचार्ज सॉफ्ट बनाने के लिए कलेक्टर कार्यालय से अनुमति मिलते ही काम शुरू किया जाएगा। दावा है कि इन 100 रिचार्ज सॉफ्ट के जरिए अरबों गैलन बारिश का पानी भूमि में उतारा जाएगा।

सेमेस्टर परीक्षाओं के रिव्यू रिजल्ट की व्यवस्था बिगड़ी, परीक्षाएं हो रही प्रभावित

इंदौर, एजेंसी। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं के रिव्यू रिजल्ट की व्यवस्था बिगड़ गई है। छात्र-छात्राओं को महीनों तक अपने परीक्षा परिणाम को लेकर इंतजार करना पड़ता है। कई बार परेशान विद्यार्थी विश्वविद्यालय में अधिकारियों के चक्कर लगाते रहते है। मगर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है। वैसे बीते 48 घंटे में विभिन्न पाठ्यक्रम के रिव्यू व मुख्य परिणाम आए है, जिसमें 3 बीकॉम एलएलबी, 3 बीबीए और एक-एक एलएलएम-एमए के रिजल्ट शामिल है। वैसे कुछ छात्र-छात्राओं के रिजल्ट रुके हैं। पूछने पर अधिकारियों ने बताया कि इनके आंतरिक परीक्षाओं के अंक विश्वविद्यालय को नहीं मिले है। हालांकि रिजल्ट में देरी से परीक्षाएं प्रभावित होने लगी है। बीकॉम एलएलबी के विभिन्न सेमेस्टर की परीक्षाएं जुलाई-अगस्त 2023 में विश्वविद्यालय ने करवाई थी। अक्टूबर में रिजल्ट आने के बाद कुछ विषय में फेल विद्यार्थियों ने रिव्यू को लेकर आवेदन दिया था। इनकी कॉपियां दोबारा जांचने में विश्वविद्यालय को चार से पांच महीने लग गए। 5 अप्रैल को बीकॉम एलएलबी तीसरे, छठे और आठवें सेमेस्टर का रिव्यू रिजल्ट निकाला है। इसके अलावा एलएलएम तीसरे और चौथे सेमेस्टर का मुख्य परिणाम है, जिसमें 70 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए है। साथ ही एमए मिलिट्री साइंस पहले सेमेस्टर के नियमित व प्राइवेट छात्र-छात्राओं का रिजल्ट निकाला है। जबकि बीबीए पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित किया है। बीबीए पाठ्यक्रम में दो हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी।

रतलाम की नर्सिंग छात्रा की हत्या कर शव जावरा में फेंक दिया

रतलाम/जावरा एजेंसी। महू नीमच हाइवे फोरलेन किनारे चार दिन पहले अर्धनग्न अवस्था में मृत मिली युवती की शिनाख्त शनिवार को हो गई। युवती गांव नरेड़ी बेरा (तहसील खाचरौद) जिला उज्जैन की रहने वाली थी। युवती रतलाम में किराये के मकान में अकेली रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस ने तीन दिन तक शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस ने शुक्रवार को शव दफना दिया था। परिजनों के सामने आने के बाद पुलिस ने शनिवार शाम शव को गड्ढा खोदकर वापस निकाला है।

गुमशुदगी दर्ज कराने गए तो पता चला: नरेड़ी बेरा निवासी एक परिवार युवती की गुमशुदगी लिखाने के लिए औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाना रतलाम पहुंचा। इस पर उन्हें ढोढर के पास हाईवे किनारे मृत मिली युवती के फोटो दिखाए तो परिजनों ने इस आधार पर उसकी पहचान की। इसके बाद सभी को जावरा ले जाया गया। शव निकालकर पहचान कराने पर उन्होंने उसे पहचान लिया।

यह था मामला

2 अप्रेल को ढोढर के समीप फोरलेन स्थित रूपनगर फंटे से अंदर एक अर्धनग्न युवती की लाश मिली थी। युवती की गला रेत कर हत्या की गई थी। युवती के गले में सोने की चेन, हाथ में अंगूठी व कान में सोने के टॉप्स थे। इससे संभावना जताई गई कि युवती की हत्या लूट के इरादे से नहीं की गई है। घटना के बाद से पुलिस शव की शिनाख्ती के प्रयास में जुटी हुई थी।

चार दिन से बंद था मोबाइल फोन

परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवती का मोबाइल फोन चार दिन से बंद था। वे बार-बार प्रयास कर रहे थे लेकिन मोबाइल फोन बंद ही आ रहा था। मृतका के भाई ने बताया कि आखिरीबार रविवार की शाम को उससे बात हुई थी। रतलाम पहुंचे तो किराये के घर पर ताला लगा हुआ मिला। फिर पुलिस थाने पहुंचे। नर्सिंग की कोचिंग ले रही थी युवतीमृतका रतलाम में राम मंदिर के पीछे सखवाल नगर में अकेली रह कर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। राम मंदिर क्षेत्र स्थित यह नर्सिंग एकेडमी है जहां नर्सिंग की कोचिंग की जाती है।

शव निकाल कर किया अंतिम संस्कार: पुलिस ने गड्ढा खोद निकाला शव मृतका का शव निकाला। शव निकालने के दौरान नायब तहसीलदार वैभव कुमार जैन, सीएसपी दुर्गेश आर्मो, आईए टीआई प्रभारी मुनेंद्र गौतम, शहर थाना प्रभारी जितेंद्रपाल सिंह जादौन सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

मिनी मुंबई में पकड़ाया सेक्स रैकेट

दो लड़कों के साथ 7 लड़कियां संदिग्ध हालत में मिलीं

इंदौर, एजेंसी। मिनी मुंबई कहे जाने वाले इंदौर में एक बार फिर सेक्स रैकेट पकड़ाया है। शहर के सबसे बड़े एमवाय अस्पताल के पास देह व्यापार का ये अड्डा एक स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था। जैसे ही पुलिस ने यहां पर छापा मारा तो यहां से दो युवकों के साथ सात युवतियां संदिग्ध हालत में पकड़ाई हैं। पुलिस सभी को पकड़कर पुलिस थाने लेकर आई जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। स्पा सेंटर के संचालक के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

क्रिस्टल स्पा स्टेंर में पकड़ाया सेक्स रैकेट

इंदौर के संयोगिता गंज थाना इलाके में एमवाय अस्पताल के सामने क्रिस्टल स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। इस सूचना पर पुलिस ने टीम बनाकर जब स्पा सेंटर पर छापा मारा तो वहां हड़कंप मच गया। युवक-युवतियां यहां वहां

भागने लगे जिन्हें पुलिस पकड़कर अपने साथ थाने लाई है और पूछताछ कर रही है। पुलिस ने स्पा सेंटर से 2 युवकों व 7 युवतियों को पकड़ा है और आपत्तिजनक सामान भी जब्त किया है।

युवतियां काम की तलाश में आई थीं इंदौर

शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि पकड़ी गई युवतियां इंदौर व आसपास के ही इलाकों की रहने वाली हैं जो कि काम की तलाश में इंदौर आई थीं और यहां देह व्यापार की दलदल में फंस गईं। एसीपी तुषार सिंह ने बताया कि सयोगितागंज का थाना प्रभारी सतीश पटेल ने टीम गठित कर उर्वशी परिसर में एक फ्लैट पर दबिश दी जहां पर स्पा सेंटर संचालित हो रहा था। जब अंदर जाकर चेकिंग की गई तो 7 महिलाएं और 2 पुरुष मौके से पकड़े गए हैं। फिलहाल पूरे मामले में पकड़ी गई महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

वो बुलाती हैं मगर जाने का नहीं...! 2 लड़कियों समेत तीन गिरफ्तार

इंदौर, एजेंसी। वो बुलाती है मगर जाने का नहीं..ये लाइन आपने अक्सर सुनी होगी लेकिन ऐसा क्यों कहते हैं इस बात को आप इस मामले से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। मामला इंदौर का है जहां पुलिस ने दो युवतियों और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। जबकि इनके दो साथी अभी भी फरार हैं जो लोगों को सुनसान जगह बुलाकर उन्हें डरा धमकाकर उनसे पैसे ऐंठ लेते थे।

सुनसान जगह पर बुलाती थीं लड़कियां

पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दो युवतियों के साथ 1 एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। युवतियां काफी शातिर हैं जो अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी प्लानिंग के साथ वारदातों को अंजाम दे रही थीं। युवतियां पहले तो युवाओं या फिर बुजुर्गों को सुनसान जगह पर एंजॉय करने के बहाने बुलाती थीं और फिर वहां पर अपने साथियों के साथ मिलकर उनसे डरा धमकाकर पैसे ऐंठ लेती थीं।

इंदौर की आब-ओ-हवा हो रही दूषित, कान्ह-सरस्वती नदी भी बेहाल

इंदौर, एजेंसी। शब-ए-मालवा कहे जाने वाले इंदौर की तासीर बदल रही है। किसी जमाने में कल-कल बहने वाली सरस्वती और कान्ह नदी अब नाले का रूप ले चुकी है। सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल और तेजी से हो रहे निर्माण कार्यों के चलते हवा प्रदूषित होते जा रही है। बावजूद किसी भी राजनीतिक दल को पर्यावरण के इस मुद्दे से सरोकार नहीं है। आज तक किसी भी राजनीतिक दल ने पर्यावरण को मुद्दा नहीं बनाया है। जबकि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने के लिए पर्यावरण में सुधार लाना बहुत जरूरी है। शहर से गुजर रही कान्ह और सरस्वती नदी में कई जगहों पर आउटफाल आकर मिल रहे हैं। जिसके कारण 10 एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) और एक कॉमन एफ्युलेंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के बावजूद दूषित जल नदी में मिल रहा है। स्थिति यह है कि यह नदियां जलीय जीव के रहने लायक तक नहीं बची है।

एसटीपी लगाकर की खानापूर्ति

इन नदियों में बायोकेमिकल ऑक्सीजन (बीओडी) मांग का स्तर 30 मिलीग्राम प्रति लीटर तक है, जबकि सामान्य तौर पर दो या दो से कम होना चाहिए। इसी तरह केमिकल ऑक्सीजन (सीओडी) मांग का स्तर 100 से अधिक मिलीग्राम प्रति लीटर है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। कुल मिलाकर नगर निगम द्वारा एसटीपी लगाकर खानापूर्ति कर ली गई, जबिक सतत निगरानी की जाना थी, ताकि सिवरेज के आउटफाल नदी में आकर नहीं मिलते। जनप्रतिनिधि भी इस मामले में हमेशा मौन रहे है।

वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा

इसी तरह शहर के वायु प्रदूषण की स्थिति भी ठीक नहीं है। शहर में लगातार वाहनों की संख्या में इजाफा हो रहा है। शाम को अधिकांश बड़े चौराहों पर जाम की स्थिति बन रही है। तेजी से हो रहे निर्माण कार्य के चलते शहर में आरएसपीएम और पीएम का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इंदौर की एयर क्वालिटी इंडेस का स्तर औसतन 100 से अधिक हो गया है। जो भी बेहतर स्थिति से बाहर हो चुका है। अगर वायु प्रदूषण रोकने के लिए बेहतर उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय पर स्थिति दिल्ली जैसे हो जाएगी। पर्यावरणविद डॉ. ओपी जोशी ने बताया कि इंदौर सहित पूरे देश में जल और वायु प्रदूषण के हालत ठीक नहीं है। प्रदूषण के मामले में पूरे विश्व के टॉप 10 शहरों में भारत के 9 शहर शामिल है। पूरे विश्व में भारत प्रदूषण के मामले में तीसरे स्थान पर है। पूरे शहर में छह से सात जगहों पर रियल टाइम मानिटरिंग स्टेशन बने है।

संपादकीय

कांग्रेस का न्याय पत्र- कितना असरदार?

अखिल भारतीय कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपना बहुप्रतीक्षित घोषणा पत्र 'न्याय पत्र' के नाम से जारी कर दिया है। पार्टी की संसदीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने इसे जारी किया। भाजपा ने इसे झूठ का पुलिंदा कहा तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप होने का आरोप लगाकर कांग्रेस को फिर कटघरे में खड़ा किया। बहरहाल, पार्टी का चुनाव घोषणापत्र 'पांच न्याय' या न्याय के पांच स्तंभों पर केंद्रित है, जिसमें 'युवा न्याय', 'नारी न्याय', 'किसान न्याय', 'श्रमिक न्याय' और 'हिस्सेदारी न्याय' के साथ-साथ इसके द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए अपने चुनावी वादों के तहत लोगों से की गई गारंटी भी शामिल है। पार्टी ने घोषणापत्र में कहा है कि पार्टी जातियों और उप-जातियों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की गणना करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना कराएगी और एससी, एसटी व ओबीसी के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने के लिए एक संवैधानिक संशोधन पारित करेगी। पार्टी का दावा है कि यह न्याय पत्र राष्ट्रव्यापी विचार-विमर्श, ईमेल तथा 'आवाज़ भारत की' वेबसाइट के माध्यम से हजारों सुझाव प्राप्त करने के बाद तैयार किया गया। बेशक कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र नाम दिया हो, लेकिन हकीकत में खुद पार्टी में लोगों को न्याय मिलता नहीं दिख रहा है और लोग पार्टी छोड़-छोड़ कर भाग रहे हैं। सवाल यह भी है कि आखिर पार्टी नेतृत्व कांग्रेस छोड़कर जा रहे लोगो को रोक क्यों नहीं पा रहा है। लेकिन इससे भी बड़ा सवाल यह है कि कांग्रेस या घोषणा पत्र कितना असरदार है। घोषणाओं को न्याय बताना शाब्दिक जादूगरी हो सकती है, लेकिन आम जनता को कितना अपील करेगी, कहना मुश्किल है। जानकारों का मानना है कि न्याय पत्र में शामिल अधिकांश योजनाएं मोदी सरकार की योजनाओं जैसी ही लग रही हैं। इसमें नया क्या है? वैसे भी भारत में चुनावी घोषणा पत्रों का इतिहास यह है कि जिस भी पार्टी को चुनाव में अपने सत्ता में लौटने का भरोसा नहीं होता, वह घोषणा पत्र में बड़े-बड़े और अव्यावहारिक वादे करती है। कांग्रेस के घोषणा पत्र का न्याय भी शायद कुछ इसी श्रेणी का है। कांग्रेस ने बड़े बड़े वादे किए हैं, लेकिन इन वादों को पूरा करने के लिए पैसा कहां से आएगा, इसका कोई जिक्र नहीं है। इसके पूर्व कांग्रेस ने जिन राज्यों में चुनाव जीता और इस जीत के लिए जो गारंटियां दी थीं, वो ही ज्यादातर पूरी नहीं हुई हैं। इस न्याय पत्र में कुछ विरोधाभास भी हैं। मसलन पार्टी ईवीएम से चुनाव का पुरजोर तरीके से विरोध करती रही है, लेकिन न्याय पत्र में उसने चुनावी ईवीएम से कराने की ही पैरवी की है। केवल वीवीपैट पर्ची मिलान की बात कही है। रेंडम तौर पर पांच पर्चियों का मिलान तो अभी भी होता ही है। कुछ समीक्षकों का मानना है कि कांग्रेस के न्याय पत्र में जो वादे किए गए हैं, वो लगभग भाजपा के वादों के समान ही हैं। एक हद यह भाजपा की योजनाओं की नकल ही है, कहें तो गलत नहीं होगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया है कि कांग्रेस की ये योजनाएं केवल घोषणाएं नहीं हैं, उन्हें जमीन पर भी उतारा जाएगा। जमीन पर उतारने की बात तो छोड़िए, इन योजनाओं को आम मतदाता तक पहुंचाने की भी कोई कारगर मशीनरी आज कांग्रेस के पास बची नहीं है। ऐसे में भारी भरकम घोषणा पत्र देखने सुनने में अच्छा लग सकता है, उसकी व्यवहार्यता कितनी है, यह बड़ा सवाल है।

नजरिया

– रघु ठाकुर
लेखक समाजवादी विचारक हैं।

राज्य और व्यक्ति की धर्म आस्था का भेद

22 जनवरी 2024 को राम मंदिर अयोध्या में, राम लला की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा के बाद, प्रधानमंत्री जी खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। वैसे यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि इस विशाल और व्यापक आयोजन से उनका जनाधार बढ़ा है तथा वे हिंदू मानस के सर्वप्रिय नेता बन गए हैं। यहां तक की हिंदू धर्म गुरु, शंकराचार्य और हिंदू राष्ट्र के निर्माण के थोक बंद ठेकेदार डॉ. मोहन भागवत जी, श्री नरेंद्र मोदी जी की आभा के समक्ष पीछे नजर आ रहे हैं।

4 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री जी गुवाहाटी के दौरे पर थे। और वहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद सत्ता में रहे लोग पूजा स्थलों के महत्व को नहीं समझ सके। उन्होंने राजनीतिक कारणों से अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने का चलन स्थापित किया। जबकि विकास और विरासत हमारी नीति है कामाख्या दिव्य लोक परियोजना का शिलान्यास करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे तीर्थ मंदिर सभ्यता की यात्रा की निशानियां है। हमारे तीर्थ मंदिर सिर्फदर्शन करने की स्थली नहीं है ये हमारी सभ्यता की अमिट निशानियां है। भारत ने हर संकट का सामना करते हुए कैसे उसको अटल रखा है यह उसकी साक्षी है। कोई भी देश अपने अतीत को भुलाकर या मिटाकर विकसित नहीं हो सकता। मुझे संतोष है कि पिछले 10 वर्षों में हालात बदल गये है ' उनकी आखिरी पंक्ति पर तो कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि देश में जो कुछ अच्छा हुआ है वह उनके 10 वर्षों के कार्यकाल में हुआ है और जो कुछ खराब हुआ है वह उनके आने के पूर्व का है,यह कहना उनके प्रारंभिक व स्थाई शगल है। एक प्रकार से वे अपने आपको श्वन भूतों न भविष्यति सिद्ध करते रहते हैं। उनकी आत्म प्रशंसा करने पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि यह व्यक्ति का स्वभाव होता है। विशेषता जिन सज्जनों में योग्यता कम होती है वे दिखावे ज्यादा करते हैं। हमारी पुरानी कहावत है 'अध जल गगरी छलकत जाए'। पर मूल प्रश्न जिस पर विचार जरूरी है कि संस्कृति पर शर्मिंदगी का चलन देश में कब था। जहां तक मंदिरों का प्रश्न है, तो जो प्राण प्रतिष्ठा को देवरूप मानने वाले थे, वे मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना करते थे, पर देश में एक ऐसा भी हिंदू समाज या कहें तो हिंदू मानस के विचारकों व धर्म गुरुओं का हिमायती रहा है, जिसने मंदिर व पूजा की परंपरा को स्वीकार नहीं किया। चार्वाक ने पाषाण पूजा को स्वीकार नहीं किया तो क्या चार्वाक हिंदू नहीं थे? स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि, पत्थर की प्रतिमा में शिव नहीं है तो क्या वे हिंदू नहीं थे? मंदिरों की पुनर्स्थापना तो पहले भी हुई है। क्या स्वर्गीय वल्लभभाई पटेल प्रथम गृहमंत्री भारत सरकार ने सोमनाथ के मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं कराया था? हां उसमें स्वर्ण छड़ से प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी कि नहीं यह मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता। जहां तक मुझे स्मरण है कि, मंदिर के पुनर्निर्माण के बाद प्रतिमा स्थापना तो हुई थी परंतु प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई। स्वर्गीय वल्लभभाई पटेल ने तो यह कार्य 1950 के दशक में कराया था तो क्या यह संस्कृति पर शर्मिंदगी का चलना माना जाएगा।

स्वर्गीय वल्लभभाई पटेल ने, यह पुनर्निर्माण, सार्वजनिक रूप से तथा उसके लिए जन सहयोग से कराया था। उसमें, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सलाह पर सरकारी खजाने के धन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। क्योंकि, एक धर्मनिरपेक्ष देश में मंदिरों, मस्जिदों, गिरजाघरों का निर्माण कराना सरकार का कर्तव्य नहीं है। इनका निर्माण तो उनके मानने वालों के द्वारा ही होना चाहिए। हालांकि श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार तो सब जगह मंदिरों के पुनर्निमाण या विकास के नाम पर या लोक के निर्माण के नाम पर शासन का पैसा लगा रही है।

क्या किसी मस्जिद, गुरुद्वारे या गिरजाघर के पुनर्निर्माण का काम सरकारी खजाने से हो सका है या होना चाहिए। फिर संस्कृति क्या है? यह भी एक विचार का बिंदु है? संस्कृति का मतलब क्या केवल मंदिर या धार्मिक स्थलों,पूजा स्थलों तक ही सीमित है? आजकल लोग सनातन की बहुत चर्चा कर रहे हैं तो सनातन क्या है? क्या वैदिक काल को सनातन का हिस्सा नहीं माना जाएगा? पर वैदिक काल में यज्ञों व हवन का तो जिक्र मिलता है पर मंदिरों का नहीं मिलता। तो क्या यह माना जाए की वैदिक कालीन लोगों को भारतीय संस्कृति की जानकारी नहीं थी? या फिर उन्हें संस्कृति पर शर्मिंदगी होती थी?

भारत की संरचना में छँटवी शताब्दी के पूर्व की व बाद की स्थिति में फर्क है। इस्लाम के उदय के पूर्व भारत आज के राजनीतिक भूभाग मात्र में सीमित नहीं था वरन कंधार तक फैला था। उस भारत में लगभग एक ही धर्म व परंपराएं प्रचलित थी, पर इस्लाम के उदय के बाद भारत की धार्मिक सीमाएं और फिर कालांतर में राजनीतिक सीमाएं सिकुड़ने लगी। लगभग सातवीं शताब्दी से ही मुगल आक्रमण भारतीय सीमाओं में शुरू हो गए, पहले सिंध व पंजाब में और फिर दिल्ली व समूचे भारत में। जिन लोगों ने इस्लाम कबूल किया और मुसलमान बने, वे उसके पूर्व क्या थे? क्या वे बुद्ध नहीं थे? तो बौद्ध मंदिर भी तो भारतीय संस्कृति की धार्मिक परंपराओं का हिस्सा हुआ। पर संघ के विचार में बौद्ध या सिख या जैन यह क्या भारतीय संस्कृति या धार्मिक इतिहास का हिस्सा माने जाते है? या क्या संघ एक योजना के तहत सभी गैर हिंदू धर्म परंपरा वालों को उनके धार्मिक स्थलों को, मिटाने की योजना रखता है। फिर एक प्रश्न यह भी है, कि संस्कृति क्या है? क्या संस्कृति केवल मंदिरों मठों या धार्मिक स्थलों में है। क्या संस्कृति व इतिहास एक है। इन प्रश्नों पर गहन विचार की आवश्यकता है। फिर संस्कृति व सभ्यता क्या एक है? इस पर भी विचार करना होगा।

दरअसल इतिहास संस्कृति और सभ्यता तीनों में समय क्रम एक हो सकता है परंतु भिन्नता भी है। इतिहास उन सारी घटनाओं का संकलन है जो अच्छी या बुरी सही या गलत जब जैसी घटी उनका संग्रह व वर्णन है। संस्कृति वे अच्छे सामयिक जीवन मूल्य है या परंपराएं , जो समाज के लिए दीर्घकालिक लक्ष्य हो सकते हैं, मसलन भारत की जाति प्रथा यह संस्कृति या सभ्यता नहीं कहीं जा सकती। परंतु इतिहास का हिस्सा रहेगी और उसके अच्छे बुरे प्रभावों का विश्लेषण होता रहेगा। सभी जीवों या वस्तुओं में जीवन है और इसलिए उसकी रक्षा की जानी चाहिए। वायु, जल, प्रकृति,मानव यह सभी एक ही रूप के कई हिस्से है। यह एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण है जो शाश्वत जीवन मूल प्रस्तुत करता है। भारत के इतिहास में दो प्रकार के कालखंड है एक राजा भरत का कालखंड है, जहाँ उनके राज्य के भूभाग का फैलाव भी बहुत व्यापक था और आज के अफगानिस्तान तक या कुछ आगे तक वह भूभाग रहा होगा। हालांकि उस समय की आबादी भी शायद हजारों या लाखों में ही रही होगी और वह कालखंड भी राजतंत्र का है। राजा अच्छा या बुरा होगा यह व्यक्ति पर निर्भर है परंतु लोकतंत्र में शासन अच्छा होगा या बुरा होगा यह जनमत पर निर्भर होगा। भारत का दूसरा कालखंड विभाजित रजवाड़ों का है, जिसमें मोटा-मोटी तौर पर एक धार्मिक या जातीय वर्चस्व का प्रभाव तो था पर राजा अनेक थे एक नहीं। लगभग 475- 500 छोटे-छोटे राजतंत्र में वह प्राचीन भारत बंट चुका था और इनमें भी आदिवासी अंचलों के छोटे-छोटे राज्य थे, राजा थे वे अलग ही हैं। दरअसल 475- 500 रजवाड़ों की संख्या या गिनती आजादी के समय हुई, जब भारत आजाद हुआ और सरदार वल्लभ भाई पटेल ने उन्हें भारतीय राज्य में विलय कराया। परंतु ये वह राजवाड़े थे जो भारतीय गणतंत्र में शामिल होने के लिए आमतौर पर अनिच्छुक थे या लाचार हुए। परंतु आदिवासी अंचलों के जो राजवाड़े थे और उनमें भी विशेषतरू जो आदिवासी राजा थे उन्होंने बाहर से अलग रहने के बारे में कभी नहीं सोचा और उनके विलय के लिए तत्कालीन भारत सरकार को या सरदार पटेल को कोई प्रयास नहीं करना पड़ा। जिन आदिवासी अंचलों में गैर आदिवासी राजा थे वह अवश्य अपने रजवाड़े को भारतीय राज्यों में विलय करने के मन से इच्छुक नहीं थे। याने एक अर्थ में आदिवासी और उनके आदिवासी राजा अधिक राष्ट्रीयता के पोषक थे। जबकि उनकी परंपराओं में सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक सभी, देश के अन्य राजाओं व रजवाड़ों से अलग थी। उनके ईश्वर के रूप में वे बूढ़ा देव को मानते हैं और इस बूढ़ा देव के रूप में किसी वृक्ष या पत्थर को मानते हैं। बूढ़ा देव से तात्पर्य होता है सबसे प्राचीन यानी उनका सनातन बूढ़ा देव है, परंतु आर्य सभ्यता से प्रभावित या उसके मानने वालों की परंपराएं अलग रही हैं। आरंभिक काल में वे अग्नि को देवता मानते थे और पूजा करते थे? शायद इसका कारण यह रहा होगा कि जिस अंचल में उनका जन्म हुआ वह बर्फीला व सर्दी वाला क्षेत्र रहा होगा और इसलिए उन्हें अग्नि ही सर्वोपरीय थी। बाद के काल में भारतीय समाज के बड़े हिस्से ने राम,कृष्ण,शिव को अपना भगवान माना और विभिन्न व्याख्याएं की। इस्लाम के अनुयायियों ने मूर्ति पूजा को स्वीकार नहीं किया और वह एक अल्लाह को मानते रहे। ईसाई, ईसा मसीह के अनुयायी हैं जिनकी प्रतिमाएं हैं। बौद्ध व जैन भी प्रतिमा पूजक है, परंतु सिख पंथ व्यक्ति के बजाय गुरु ग्रंथ साहिब की ही पूजा करता है। यह सब अपने अपने कालखंड और मान्य लोगों के चिंतन व कार्य के परिणाम है। जिनके बारे में अच्छे बुरे सही या गलत की बहस हो सकती है। सभ्यता से तात्पर्य मानव जीवन के विकास की कहानी है कि, किस प्रकार मानव अपनी उत्पत्ति से लेकर आज तक पहुंचा है। उसमें विज्ञान, कृषि कार्य, विचार, धर्म व्यवस्था आदि सभी शामिल है। अब प्रधानमंत्री जी जब कहते हैं कि देश के तीर्थ व मंदिर सभ्यता यात्रा की निशानियां है तो उनके ज्ञान पर प्रसिद्ध चिन्ह लगना स्वाभाविक है? तीर्थ और मंदिर समाज के एक हिस्से की मान्यता और परंपराओं का हिस्सा है।यह सभ्यता की यात्रा की निशानियां नहीं है और अगर इसे सभ्यता की निशानियां माना जाएगा तो फिर देश को संकीर्ण नजरिए से देखना होगा। यह एक प्रकार का मानसिक विभाजन हो रहा है। क्योंकि पूजा के स्थल लगभग सभी धर्मावलंबियों के अलग-अलग हैं और उनके मान्य तीर्थ स्थल भी अलग-अलग है। इस्लाम को मानने वालों का तीर्थ, मक्का मदीना हो सकता है, सिख धर्म को मानने वालों का ननकाना साहिब हो सकता है, और यह दोनों भारत की राजनीतिक सीमाओं के बाहर है। यह एक प्रकार के नए मानसिक विभाजन व विवाद को जन्म देगा। संभव है कि, अभी सत्ता या मीडिया के प्रभाव में यह प्रश्न बड़ी संख्या में लोगों के दिलों या मनों के अंदर दबे हैं और उनके प्रस्फुटन का यह अनुकूल समय ना हो, परंतु व्यक्ति की मूल आस्थाओं को दुनिया में कभी भी स्थाई तौर पर समाप्त नहीं किया जा सकता है। बदलाव तो हो सकता है परंतु यह स्वैच्छिक होता है। सत्ता या विचार के मानसिक दबाव में कई बार कुछ विचार दब जाते है, परंतु समय पाकर वे पुनरू सामने आते हैं। प्रधानमंत्री जी ने जो दूसरी बात कही कि हमारी नीति विकास व विरासत की है। विकास की बात तो समझ में आती है भले ही विकास की धारणा भिन्न-भिन्न प्रकार की हो। जैसे वह कहते हैं सबका विकास सबका साथ और इस शब्द में अदानी, अंबानी,टाटा सभी का विकास है, और खेत पर काम करने वाले मजदूर का भी। यह एक सुनिश्चित बात है कि पूंजीवाद का विकास, मजदूर और श्रमिक के अर्थ उपार्जन के बड़े हिस्से को पूंजी के आधार पर अपने पास रख लेना होता है। इसे यह भी कहा जा सकता है कि श्रमिकों के शोषण से पूंजीवाद का विकास हुआ है। मतलब साफहै कि, पूंजीपति का विकास और सामान्य व्यक्ति का विकास एक साथ समान रूप से संभव नहीं है। विषम रूप से संभव है कि, उद्योगपति या पूंजीपति की संपत्ति लाखों करोड़ों की हो जाए और मजदूर की आय कुछ हजार या लाख तक पहुंच जाए यह सब का विकास नहीं कहा जा सकता। सबके विकास का तात्पर्य यह होना चाहिए कि सबका सम विकास।

अगर एक व्यक्ति या देश के कुछ लाख लोग करोड़ों रुपया प्रति माह कमाते हैं तथा 80-90 करोड़ लोग सरकारी भीख रूपी 5 किलो अनाज को लेकर जिंदा रहते हैं तो यह सब का विकास नहीं हो सकता और फिर विरासत भी सब की वाह्य प्रतीकों में एक नहीं हो सकती है। मूल्यों व सिद्धांतों की विरासत तो वैश्विक, सार्वदेशिक या संपूर्ण समाज के लिए हो सकती है। परंतु धार्मिक स्थलों की विरासत संपूर्ण समाज के लिए एक समान नहीं हो सकती। इसे एक करने का प्रयास ग्रह कलह जैसा होगा और इसलिए धार्मिक विरासत धर्मावलंबियों की अपनी-अपनी होती है। एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश में इसीलिए यह सिद्धांत तय किया जाता है कि, व्यक्ति को धर्म के मानने की आजादी और राज्यों को किसी एक धर्म की बजाय सभी को समान व्यवहार देना यही लोकतंत्र का मूल्य व आत्मा है।

प्रधानमंत्री जी क्या मैं उम्मीद करूं कि आप इन प्रश्नों पर कभी गहराई से विचार करेंगे और देश में एक वैचारिक चर्चा का वातावरण बनाएंगे या फिर अपने ही विचार, परंपरा और विरासत को संपूर्ण राष्ट्र पर सत्ता के सहारे लोगों को स्वीकार करने के लिए बाध्य करेंगे। मैं इतना ही कहूंगा कि आज आप विजयी हैं और यह कहावत है की जीत के हजार बाप होते हैं और हार अनाथ होती है।

मुद्दा

रमेश कुमार 'रिपु'
लेखक पत्रकार हैं।

नए दल और नए मुखौटे में कितना भाएंगे..

मध्यप्रदेश में दूसरे दल से भाजपा में शामिल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। पाला बदलने की राजनीति से आम लोग अब अजिज आ गए हैं। क्यों कि लोकसभा चुनाव से पहले लोगों के घर के सामने दलबदलुओं का बाजार लगने लगा है। लेकिन कोई यह नहीं सोच रहा है,कि मतदाताओं के गुस्से का वो शिकार भी हो सकते हैं। एक दूसरे को पूछ रहे हैं, कि तू कब भाजपा में जा रह है। तू कांग्रेस में क्यों जा रहा है। बहुत हो गया अब बसपा और सपा,छोड़ भी दो। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में जाने की होड़ मची हुई है।बीजेपी ने कांग्रेस से आने वालों का स्वागत करके साबित किया,कि राजनीति में किसी के लिए कोई अछूत नहीं है। समीकरण ही सब कुछ है। सवाल यह है कि कई दशक तक कांग्रेस में रहने के बाद बीजेपी में जाने वालों को क्या मिल जाएगा? कहीं यह भटकाव उनकी राजनीति का अंत तो नहीं कर देगा।

विपक्ष का आरोप है,कि केन्द्र की बीजेपी सरकार चुनावी समर की तैयारी में सरकारी एजेंसी का इस्तेमाल कर रही है। उससे कांग्रेसी नेताओं के साथ अन्य दल के नेताओं में भय है। वो यही मान कर चल रहे हैं,कि बीजेपी में चले जाने से ही उनका सियासी वजूद झक सफेद हो जाएगा। साथ ही उन्हें लगता है,कि आने वाला कल बीजेपी का ही है। चुनाव गैर बराबरी का मुकाबला है। इसलिए ऐसे लोगों के लिए विचारधारा कोई मायने नहीं रखती। उन्हें सत्ताई पार्टी के साथ रहना ज्यादा अच्छा लगता है। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा कहते हैं,'' चुनाव तक 70 हजार से एक लाख कांग्रेसी बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। जरूरी हुआ तो गिनीज बुक में नाम दर्ज कराएंगे।'' अभी तक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित 7पूर्व विधायक,दो महापौर,207 पार्षद,सरपंच और 1500 पूर्व जनप्रतिनिधियों सहित 21 हजार कांग्रेसी बीजेपी ज्वाइन कर चुके हैं। राहुल गांधी,प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ छिंदवाड़ा के मेयर विक्रम अहाके की तारीफ किया करते थे,उन्होंने भी बीजेपी ज्वाइन कर ली। उनके साथ सभापति प्रमोद शर्मा ने भी पार्टी बदल ली। इससे पहले अमरवाड़ा विधायक कमलेश प्रताप शाह ने कांग्रेस छोड़ी थी। देवालपुर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के फुफेरा भाई बलराम ने भी बीजेपी की सदस्यता ले ली।

कमलनाथ के साथ 50 साल से रह रहे सबसे भरोसेमंद दीपक सक्सेना ने कांग्रेस से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। उनके बेटे अजय ने बीजेपी ज्वाइन की। कुछ दिनों बाद दीपक भी बीजेपी में शामिल हो गए।गौरतलब है,कि 2018 में कांग्रेस सत्ता में आई और कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाया गया। तब वे विधानसभा सदस्य नहीं थे। उनके लिए प्रोटेम स्पीकर रहे दीपक सक्सेना ने फरवरी 2019 में पद से इस्तीफा देकर छिंदवाड़ा विधानसभा सीट खाली की थी। इसके बाद उपचुनाव जीतकर कमलनाथ विधायक बने थे। उस समय कयास लगाए जा रहा था,कि कमलनाथ के लोकसभा से इस्तीफा देने के बाद दीपक सक्सेना यहां से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कमलनाथ ने अपने बेटे नकुलनाथ को मैदान में उतारा। दीपक सक्सेना तभी से कांग्रेस में अपने आपको उपेक्षित महूसस कर रहे थे। दीपक के बेटे अजय कहते हैं कि नकुलनाथ के सांसद बनने के बाद छिंदवाड़ा में पार्टी की कार्यप्रणाली बदल गई थी। मैंने अपनी नाराजगी कमलनाथ जी को बता दी थी। कमलनाथ हमारे

पिता के समान हैं। उनसे कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन ये वक्त बीजेपी का है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहते हैं,छिंदवाड़ा अब हमारे लिए छिन्न भिन्न वाड़ा हो गया है। अब यहां भी कमल खिलेगा।पूर्व प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेश पचौरी कहते हैं,कैलाश विजयवर्गीय से हमें मंत्र सीखना चाहिए,कि चुनाव लड़ें तो जीता कैसे जाता है। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को आयोजन पर मिले निमंत्रण पर अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर कांग्रेस ने ठुकरा दिया गया। मुझे अघात लगा। मैं शुरू से अयोध्या में राम मंदिर बने, इसका पक्षधर रहा। कभी कांग्रेस में एक नारा लगा करता था। न जात पर न पात पर,मोहर लगेगी हाथ पर। अब इस नारे को दरकिनार कर दिया गया है। इन दिनों राजनीति से जाति जा नहीं रही है। जाति को अहमियत दी जा रही है। किस जाति के नेता को अपने दल में शामिल करने से कितना फायदा होगा। इसका आकलन किया जाता है।कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा रहे नेताओं को लेकर जुबानी जंग जारी है। भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा,कांग्रेस से बड़ी संख्या में लोग भाजपा में आकर सुकून महसूस करते हैं। राजनीतिक दृष्टि से सकारात्मक तरीके से काम करने की प्रणाली सभी को आकर्षित करती है।उधर आगर.मालवा जिले में पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा, राजनीति विचारधाराओं की लड़ाई होती है। जो छोड़कर जा रहे हैं, उन्हें धंधा करना है। दलाली करनी है। लेकिन वे अकेले ही जा रहे हैं जनता उनके साथ नहीं जा रही।

बीजेपी में कांग्रेसियों के आने का साइड इफेक्ट तो शुरू नहीं हो गया मीडिया के इस सवाल पर पूर्व मंत्री और छतरपुर से विधायक ललिता यादव ने कहा था,हमारे पास इतनी अच्छी मेडिसिन है, कि भाजपा को कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा। कांग्रेस से बीजेपी में आने वाले नेताओं को एडजस्ट होना पड़ेगा,एडजस्ट नहीं करेंगे। पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने भाजपा के एक कार्यक्रम में कहा,ग्वालियर में अमित शाह कार्यकर्ताओं से चुनाव को लेकर बातचीत कर रहे थे। एक कार्यकर्ता ने पूछा. साहब जो ये नई भर्ती हो रही है इसका क्या करें। इसके जवाब में शाह ने कहा. ऐसे लोग हाथ उठाओ जिनको पार्टी में काम करते 15 साल हो गए। बहुत लोगों ने हाथ उठा दिए। शाह ने कार्यकर्ताओं से पूछा, तुम्हें 15 साल में क्या मिला। कार्यकर्ताओं ने कहा,कुछ नहीं मिला। इस पर शाह बोले,जब तुम्हें 15 साल में कुछ नहीं मिला तो जिनको आज 15 दिन हुए, उनको क्या ही मिलेगा।लोकसभा चुनाव के पहले बीजेपी में शामिल हो रहे कांग्रेसियों को लेकर कांग्रेस में हलचल है तो वहीं बीजेपी के पुराने नेता और कार्यकर्ता अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कांग्रेस मीडिया विभाग की उपाध्यक्ष संगीता शर्मा ने भूपेन्द्र सिंह के इस भाषण का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेता और कार्यकर्ता इस वीडियो को जरूर सुनें। क्योंकि ये हम नहीं,भाजपा नेता स्वयं बोल रहे हैं।

संभागीय मुख्यालय रीवा के अल्पसंख्यकों के रहनुमा और पूर्व जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मुजीब जो कि दो बार विधान सभा चुनाव लड़ चुके हैं। जीते नहीं मगर, कांग्रेस से हमेशा ज्यादा वोट पाया। उनके भाजपा में शामिल होने से रीवा जिले की मुस्लिम राजनीति में नया मोड़ आ सकता है। डॉ मुजीब कहते हैं, कांग्रेस में बहुत सालों तक रहा। अब कांग्रेस में मुस्लिम नेताओं की पूछ नहीं है।राजनीति की बदलती हवा कहती है,भाजपा में जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता। समाज सेवा करना है तो भाजपा में शामिल होना बेहतर समझा। वहीं कांग्रेस के नेता कहते हैं कि डॉ मुजीब की धर्म निरपेक्षता की कलई खुल चुकी है। उनके कांग्रेस छोड़ने से हमारी पार्टी में कोई असर नहीं पड़ने वाला।इसी कड़ी में पूर्व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष और सेमरिया विधान सभा का चुनाव लड़ चुके त्रियुगी नारायण भगत शुक्ला लोकसभा की टिकट विधायक अभय मिश्रा की पत्नी नीलम मिश्रा को दिये जाने पर नाराज होकर भाजपा में चले गए। उनका कहना था कि महिला को टिकट देना ही था तो कविता पांडे को देते। अब कांग्रेस में अच्छे और सक्रिय कार्य कर्ताओं की पूछ परख नहीं है। शिवेन्द्र सिंह पूर्व नगर पंचायत सिरमौर,रामावतार यादव महामंत्री जिला कांग्रेस, जमुना यादव कांग्रेस पिछड़ा वर्ग पूर्व उपाध्यक्ष सहित कई लोग भाजपा में शामिल हुए। पूर्व विधान सभा अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी के निज सचिव और सहकारी बैंक के अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा भी भाजपा में शामिल हो गए। डिप्टी सी.एम.राजेन्द्र शुक्ला पूरी कोशिश में हैं कि लोकसभा चुनाव से पहले तक कांग्रेस के जितने भी बड़े नेता हैं,वो भाजपा में आ जाए। दरअसल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने की शुरूआत विधान सभा से हुई। पूर्व सांसद सुन्दर लाल तिवारी के पुत्र सिद्धार्थ तिवारी को त्योंथर से कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया तो वो भाजपा में चले गए। भाजपा ने उन्हें टिकट भी दे दिया। वो विधायक बन गए। अब श्रीनिवास तिवारी से जुड़े जितने भी कांग्रेसी हैं, सभी एक- एक करके भाजपा में जाने लगे हैं। रीवा में 68सरपंच,19जनपद सदस्य और दो हजार कांग्रेस कार्य कर्ता कांग्रेस से इस्तीफा देकर बीजेपी में चले गए। यदि यह सियासी उपक्रम जारी रहा तो कांग्रेस में गिनती के बड़े नेता रह जाएंगे।बहरहाल हर सियासी पेंच कसने की जोरदार जुगत बीजेपी कर रही है। देखना है, कि आने वाले समय में वह प्रदेश की कितनी सीट जीतती है। विधान सभा चुनाव में बीजेपी से कांग्रेस में आने वाले काफी तादाद में कई नेता नए अवतार में दिखे थे। राजनीति में नए मुखौटे में ऐसे लोग मतदाताओं को कितने भाएंगे,कहा नहीं जा सकता।

कांग्रेस हारे तो हारे, लेकिन कड़ी टक्कर देकर हारे

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

आम चुनाव के संदर्भ में यह साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि अनेक बड़े राज्यों में कांग्रेस अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। लेकिन लोकतंत्र की अस्मिता के लिए उसे अपने प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देने की जरूरत है। ऐसा करना न केवल कांग्रेस के हित में होगा, अपितु लोकतंत्र में लोकतंत्र की मांग के अनुरूप भी सिद्ध होगा। हालांकि विगत चुनाव-दर-चुनाव कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर होती दिखाई देती है। अधिकांश कांग्रेस प्रत्याशियों का मनोबल भी टूटा नजर आता है। चुनाव लड़ने के लिए, या यूं कहा जाए कि चुनाव जीतने के लिए जितने प्रकार के बल की आवश्यकता होती है, वह बल कांग्रेस की अपेक्षा भाजपा के पास ही अधिक दिखाई देता है।

यह कम आश्चर्यजनक नहीं है कि अत्यंत गौरवशाली राजनीतिक पृष्ठभूमि से आच्छादित कांग्रेस को अधिकांश सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी के सामने मुकाबले का प्रत्याशी ढूंढने में काफी मशक्कत करना पड़ी थी। जिसके चलते दूसरी और तीसरी पंक्ति से उठाकर प्रत्याशी का चयन करना पड़ा। ऐसे में भाजपा के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं का मनोबल और ऊंचा हो गया। यही कारण है कि भाजपा के तमाम नेता और कार्यकर्ता चुनाव जीतने से ज्यादा रिकॉर्ड मतों से जीतने की मानसिकता के साथ चुनाव मैदान में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। यही नहीं अपितु भाजपा का नेतृत्व भी अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान समूचे तंत्र को अपनी भावी कार्यशैली के प्रति आत्मविश्वास के साथ आगाह कर रहा है।

जाहिर तौर पर भाजपा का मनोबल तो इस कदर है कि उसने अबकी बार 400 पार के शंखनाद के साथ स्पष्ट बहुमत को तो एक प्रकार से बीमित अवस्था में ही मान लिया है। लेकिन इतिहास साक्षी है कि हर एक भ्रम किसी न किसी अवस्था तक पहुंचने के पश्चात टूटता ही है। बीते दौर के आम चुनाव में तथाकथित 'फील गुड' का हश्र तो दुनिया ने देखा ही है। खैर, आम चुनाव की पूर्व बेला में जिस प्रकार कांग्रेस से एक-एक करके अनेक नेताओं का भाजपा में आगमन हो रहा है, इसके मद्देनजर हर किसी भाजपाई के मन में प्रसन्नता का संचार हो, यह जरूरी नहीं है। वैसे ऊपरी तौर पर अच्छा लगता है कि प्रतिद्वंद्वी आत्मसमर्पण कर रहा है, लेकिन उसे सर आंखों पर बैठाना अंदरुनी खेमे को रस आए, यह जरूरी नहीं।

निश्चित ही तमाम स्थापित भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के रुतबे में नए मेहमानों के आने से स्वाभाविक रूप से कुछ कमी तो आएगी ही। इसके साथ-साथ भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता की दल के प्रति निष्ठा तथा प्रतिबद्धता का अवमूल्यन भी होने लगे, तो क्या आश्चर्य ! यह बहुत स्वाभाविक है कि राजनीतिक लाभ-हानि की दृष्टि से नवागत को विशेष तवज्जो दी जाने लगे। इसके चलते जमे जमाए और तपे तपाए नेता तथा कार्यकर्ता निश्चित रूप से हतोत्साहित हो सकते हैं। जिसका परिणाम भाजपा की अपेक्षा को धूल-धूसरित कर सकता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि विगत दो-तीन दशकों से देश की राजनीति भी एकदिवसीय क्रिकेट की भांति हो गई है।

ऐसा नहीं होता तो आखिर भाजपा शून्य से शिखर तक का सफर कैसे तय कर पाती ? वैसे तो कमजोर नेतृत्व के चलते कांग्रेस दिनोदिन कमजोर से और कमजोर होती जा रही है। ऐसी स्थिति में वह कोई चमत्कार कर सके, ऐसे आसार नजर नहीं आते। लेकिन वर्तमान में भाजपानीत गठबंधन की सरकार यदि एकतरफा रवैया रखकर अपनी कार्यशाली सुनिश्चित करती है, तो ऐसे में भाजपा ही भाजपा को पराजित करने का दम भर सकती है। हालांकि भाजपा एक अनुशासित राजनीतिक दल है, लेकिन जिस प्रकार कांग्रेसी विचारधारा का भाजपा में समावेश हो रहा है, उसे देखते हुए आखिर भाजपा का परंपरागत अनुशासन भी कब तक टिक सकेगा ?

इन तमाम सन्दर्भों में अगले उलटफेर के प्रति आश्वस्त रहने के लिए 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस द्वारा प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देने की जरूरत है। अन्यथा उसके भविष्य की समस्त संभावनाएं ही खत्म हो जाएगी। इस दृष्टिकोण से कांग्रेस को हाल फिलहाल तो अस्तित्व की लड़ाई ही लड़ना होगी, बिल्कुल अभिमन्यु की तरह।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

ब्रह्मलीन मुद्दों का पुनर्जन्म और गारंटी की घंटी

ये क्या सुन रहे हैं हम, मुद्दे नहीं रहे। मुद्दे खेत रहे। ब्रह्मलीन हो गए। देशी भाषा मे कहें तो मर गए। आज कोई मुद्दों को याद नहीं करता है। कोई इनकी बात करना भी पसंद नहीं करता है। वैसे मुद्दे लौकिक हैं। वे लौकिक होकर भी अलौकिक होते जा रहे हैं। लौकिक इसलिए कि वे लोक से जुड़े लोकतंत्र में अपनी ताकत खोते जा रहे हैं। अलौकिक इसलिए कि मुद्दे लोकतांत्रिक होकर भी अलौकतांत्रिक करार दिए जा रहे हैं।

कहते हैं कि देश में मुद्दे और देश मुद्दों से चलते आया, लेकिन अब देश मुद्दों से नहीं 'गारंटी' से हांकने की कोशिश हो रही है तो मुद्दों को देह त्याग करने के लिए संथारा करना पड़ा। अंततोगत्वा मुद्दे ब्रह्मलीन हो गए। मुद्दों की ताकत को यूं आंकें कि मुद्दे आम जनता का वह सपना होता है जो सुबह-सुबह देखा तो जाता है, लेकिन सच नहीं होता। जितनी प्रकार की जनता उतने प्रकार के मुद्दे। ये हमेशा हवा में, रेडियो, टेलीविजन और तो और अखबार में तैरते रहते थे। यह तभी होता था, जब सत्ता अपनी आयु पूरी कर दूसरा शरीर धारण करने के लिए मुद्दों की चादर ओढ़कर इहलोक में विचरण कर लोकतंत्र की दुहाई देती फिरती थी।

तब मुद्दे भी साथ-साथ टेका लगा दिया करते थे। वैसे कुछ मुद्दे तो ऐसे थे, जिन्हें शाश्वत ही रखा गया है। वे उस आत्मा की तरह है, जिसे न तो अग्नि जला सकी है और न हवा उड़ा सकी है न पानी गला सका, न ही उसको किसी शस्त्र, अस्त्र और दिव्यास्त्र से मारा जा सका। वे आज अजर-अमर होकर भी सूक्ष्म शरीर में ही भ्रमण और विचरण को मजबूर हैं।

सत्ताधारी हों, विपक्षी हों या जटाधारी सभी उसी में अपनी विजय को देखते हैं। हार को 'हार' पहनाने के लिए मुद्दों का शाश्वत होना भी लोकतंत्र का एक्सीलेटर बन जाता है। जब सत्ता का तख्ता डोलता दिखता है तो ब्रह्मलीन मुद्दों का आह्वान करने के लिए बड़वे-भोपे सक्रिय हो जाते हैं। फिर वे मुद्दे ईश्वर से हाथ-पैर जोड़कर धरती पर उतरने को आतुर दिखते हैं। पाकिस्तान, कब्रिस्तान, दलित, दमित, पिछड़े जैसे मुद्दे इहलोक के लोकतंत्र में पुनर्जन्म लेकर उपकृत कर देते हैं। ये सब मुद्दे भूत-पलीत की तरह कब्र और श्मशान से उठ-उठकर पुनर्जनमित होते हैं। चुनावों में इनका अभाव ही प्रभाव बन रहा है। इन्हीं की सवारी कर सत्ताधारी फिर से संख्या की दहाड़ लोकतंत्र के कानन में लगाते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, युवा, किसान, गरीब की दाल-रोटी आदि मुद्दे जन्म लेने के लिए तड़फते-बिलबिलाते और बेगाने ही रहते हैं, लेकिन गारंटी के दौर में विपक्ष और सत्ताधारी इन्हें अछूत समझ लोक को लोकतंत्र का असली मकसद समझ और समझा रहे हैं। अभी इस पर चिंतन-मंथन चल ही रहा था कि दूर आकाश में 'गारंटी' का 'डीजे' बज उठा। जनता मुद्दों के पुनर्जन्म को भूल 'गारंटी' रूपी नवजात को दुलारने लगी और नेताओं की आंखें अंगारों की तरह दमक उठी।

चुनाव रिपोर्टिंग और संवैधानिक मूल्य-1

न्यायाधीश जैसी निष्पक्षता के भाव से हो चुनाव रिपोर्टिंग

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संसद और विधानमंडलों की चुनाव प्रक्रिया संविधान के भाग 15 के तहत अनुच्छेद 324 व 325 के अंतर्गत सम्पन्न होती है, लेकिन मीडिया द्वारा संवैधानिक मूल्यों को ध्यान में रखकर रिपोर्टिंग करने अथवा उन मूल्यों की कसौटियों पर कसने का अलग से उपक्रम शायद ही हुआ हो। इसका कारण शायद यह है कि देश में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों में कोई बुनियादी और भावात्मक अंतर नहीं है। चुनाव प्रक्रिया लोकतांत्रिक मूल्यों के तहत लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए ही सम्पन्न की जाती है। ताकि शासन व्यवस्था में जनता की सर्वोच्चता बरकरार रहे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और विश्व की लगभग 14 फीसदी आबादी इस प्रक्रिया में हिस्सेदारी करती है। इस चुनाव प्रक्रि या में मीडिया की भूमिका जहां लोगों तक चुनाव से सम्बन्धित हर सूचना, पूरी प्रामाणिकता के साथ पहुंचाने, इसको लेकर लोक जिज्ञासा का शमन करने के साथ साथ इस समूची प्रक्रिया में कुछ असंवैधानिक अथवा अलोकतांत्रिक घट रहा हो तो उसे जनता के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाने की होती है। संक्षेप में कहें तो समूची चुनाव प्रक्रिया में मीडिया की भूमिका उस पहरेदार की है, जो स्वयं प्रक्रिया का सीधे तौर पर हिस्सेदार नहीं होता, लेकिन पूरी प्रक्रिया पर उसकी बारीक नजर और घटनाओं के सम्प्रेषण में अहम भूमिका रहती है।

दरअसल संविधान की उददेशिका में उल्लेखित समता, समानता, स्वंतत्रता और न्याय के मूलभूत तत्व हर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर उसी शिद्दत से लागू होते हैं, जिनमें चुनावी रिपोर्टिंग भी शामिल है। आजकल चुनावी रिपोर्टिंग बाजार को ध्यान में रखकर अटकलबाजी, सर्वे और निम्न स्तर के आरोप-प्रत्यारोपों, उनकी व्याख्या और खंडन मंडन पर ज्यादा केन्द्रित होती है। रिपोर्टर अगर फील्ड में जाते भी हैं तो कई बार वह बताने की कोशिश करते हैं कि जिस एजेंडे के तहत वो रिपोर्ट कर रहे हैं, वह कितना सही है। जमीनी हकीकत से उनका वास्ता कम ही होता है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तो आजकल मानो पहले से चुनाव नतीजा तय कर लिया जाता है और उसे जायज ठहराने के लिए तरह तरह के तर्क, पोल सर्वे और डाटा विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है। यह प्रवृत्ति भी मतदाता की स्वतंत्र सोच को प्रभावित करने और एक नागरिक की हैसियत से विचार स्वातंर्त्य के अधिकार के विरूद्ध है। इन माध्यमों के जरिए कई बार तो हमे यह खुलकर यह संकेत देने की कोशिश की जाती है कि आपको किसे वोट देना चाहिए। यह मतदान की गोपनीयता भंग के साथ साथ राजनीतिक न्याय के अधिकार का भी उल्लंघन है।

चुनाव रिपोर्टिंग में निष्पक्षता जरूरी

वास्तव में चुनाव रिपोर्टिंग राजनीतिक रिपोर्टिंग की ही एक निहायत रोचक और रोमांचक शाखा है। इसमें खास बात यह है कि मीडिया कर्मी की स्वयं की अपनी राजनीतिक विचारधारा और रूझान होने के बावजूद उसे चुनाव रिपोर्टिंग एक न्यायाधीश की निष्पक्षता और गंभीरता के साथ ही करनी होती है। वह निर्णय प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा होते हुए भी स्वयं निर्णायक नहीं होता और न ही हो सकता है। वास्तव में चुनाव रिपोर्टिंग मतदाता के मन के जानने का एक बाह्य उपक्रम है। जिसमे संकेतों के जरिए मतदाता के राजनीतिक रूझान की थाह पाने की बहुआयामी कोशिश की जाती है। चुनाव रिपोर्टिंग में रिपोर्टर को मतदाता से यह उगलवाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए? कि वह किस प्रत्याशी को जिताना चाहता है, क्योंकि मतदान से पहले ऐसा कहलवाना उसके मताधिकार की गोपनीयता को भंग कर सकता है।

मैंने भी कुछ सालों तक चुनाव रिपोर्टिंग की है। हालांकि तब धर्म के आधार पर खुलकर राजनीति नहीं होती थी। विचारधारा और स्थानीय समस्याएं समस्याएं और उनके समाधान की अपेक्षा खास मुद्दे हुआ करते थे। 1989 का लोकसभा चुनाव शायद आखिरी चुनाव था, जब भ्रष्टाचार अथवा समाजवादी विचार चुनाव का अहम मुद्दा थे। उसके बाद लगातार मतदाताओं का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण होता गया है, जो संविधान की धर्म निरपेक्षता की भावना के अनुरूप नहीं है। चूंकि पहले जैसी स्थिति तो अब लौटना मुश्किल है, लेकिन फिर भी एक जिम्मेदार रिपोर्टर के नाते हमे यह देखना चाहिए कि

चुनाव प्रचार में भी धार्मिक भावनाओंका दुरूपयोग तो नहीं किया जा रहा है। एक धर्म के भावनाओं को राजनीतिक शोषण से दूसरे धर्म के लोगों की भावनाओं को ठेस तो नहीं पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा लोगों की जिंदगी से जुड़े आर्थिक,सामाजिक न्याय के मुददे को भी पूरे महत्व के साथ रेखांकित किया जाना चाहिए। धार्मिक मुद्दों के शोर शराबे में संविधान में शामिल राजनीतिक, आर्थिक सामाजिक न्याय की भावना गुम नहीं हो जानी चाहिए। ये मुददे जीवित रहें, यह काम मीडिया का भी है।

चुनाव रिपोर्टिंग को संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से कैसे परखें

यहां सवाल उठता है कि चुनाव रिपोर्टिंग को क्या संवैधानिक मूल्यों के हिसाब किया और परखा जा सकता है? क्या यह संभव है और नैतिक दृष्टि से यह कितना जरूरी है? खासकर तब कि जब चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से उसके समाप्त होने का पूरा ताना बाना आजकल बाजार की शक्तियों से संचालित होने लगा है। इसे समझने के पहले हमे यह जानना होगा कि संविधान ने हमे जो राजनीतिक अधिकार दिया है, वह वयस्क मताधिकार के रूप में है। या यूं कहें कि जितने भी मौलिक अधिकार संविधान ने हमे दिए हैं, उनमें सबसे ताकतवर यह राजनीतिक अधिकार है, जो किसी भी धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग निरपेक्ष है। यानी जो भी व्यक्ति 18 वर्ष से ऊपर का है, वह मताधिकार रखता है और इसी आधार पर वह मतदान करता है। इसके जरूरी है कि उसका नाम मतदाता सूची में हो। यहां मीडिया की दृष्टि से पहला संवैधानिक मूल्य यह है कि कोई मतदाता धर्म, जाति या लिंग के आधार पर मताधिकार वंचित नहीं किया जा सकता। उसका नाम मतदाता सूची में होना ही चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो चुनाव रिपोर्टर को इसे तुरंत और आलोचनात्मक भाव से रिपोर्टिंग करनी चाहिए कि फलां फलां व्यक्ति को किसी धर्म, जाति और लिंग के आधार पर मतदान से वंचित तो नहीं किया जा रहा है। अगर किसी भेदभाव के तहत किसी नागरिक को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश की जा रही है तो मीडिया को तुरंत इसके खिलाफ आवाज उठाकर उसे न्याय दिलाने का प्रयत्न करना चाहिए।

दूसरा मुद्दा लोकतंत्र और राजनीतिक शुचिता का है। हम देख रहे हैं कि अब तो अपराधी भी चुनकर संसद में पहुंच रहे हैं। आर्थिक भ्रष्टाचार और फौजदारी गुनाह ऐसे मुद्दे नहीं रहे, जब तक कि वो बहुत गंभीर किस्म के न हो, किसी को चुनाव मैदान में उतरने से नहीं रोकते। ऐसे में मीडिया का काम है कि लोकतंत्र का मुखौटा पहनने वाले तत्वो को हिम्मत से बेनकाब करे और जनता के सामने उनके असली चरित्र को सामने लाकर मतदाता को ऐसे तत्वों को न चुनने के लिए प्रेरित करे। क्योंकि यह लोकतंत्र की शुचिता और व्यक्ति की गरिमा कायम रखने के लिए जरूरी है।

बीते एक दशक में हेट स्पीच और धर्म के आधार पर कटु आलोचना अथवा अनावश्यक महिमा मंडन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। इसके पीछे उद्देश्य वोटों की धर्म आधारित गोलबंदी कर चुनाव जीतना है। हमारे संविधान की प्रस्तावना में साफ कहा गया है कि इस देश में हर नागरिक को उसकी आस्था के अनुरूप उपासना की स्वतंत्रता है। ऐसे में किसी धर्म विशेष की निंदा कर वोट बटोरना नैतिक रूप से अपराध है। अगर चुनाव प्रचार के दौरान कोई प्रत्याशी ऐसा करता है तो रिपोर्टर का काम है कि वो इस बदनीयती को बेनकाब करे, बजाए इसके कि खुद ही उस भाव धारा में बहने के।

(जारी)

दृष्टिकोण

निर्मला सीतारमण के चुनाव न लड़ने के निहितार्थ

बादल सरोज

लेखक अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं।

वित्तमंत्राणी निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव लड़ने से ही पल्ला झाड़ लिया। वे प्याज पहले ही नहीं खाती थीं, अब चुनाव भी नहीं लड़ेंगी। खुद उनने बताया कि उनसे उनके पार्टी अध्यक्ष ने चुनाव लड़ने के बारे में पूछा था, निर्मला ताई के अनुसार इस पर उन्होंने कोई सप्ताह दस दिन सोचा विचारा भी- मगर बाद में ना बोल दिया। इन दिनों मीडिया के चहेते एंकर-एंकरानियों को दिए जा रहे प्रायोजित इंटरव्यूज में से एक में बोलते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। इस वार्तालाप में उन्होंने चुनाव न लड़ने की दो वजहें गिनाईं; एक तो यह कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसा नहीं है। असल में उनका वाक्य था कि उनके पास 'उस तरह का पैसा नहीं है।' दूसरी यह कि उनसे दक्षिण में आंध्रप्रदेश या तमिलनाडू से लड़ने के लिए कहा गया था, चुनाव चूंकि जाति और धर्म के नाम पर लड़े और जीते जाते हैं इस लिहाज से वहां जीतने की संभावनाएं उनके पक्ष में नहीं है।

उनके इस कथन के बाद पत्रकारिता के निचले से भी निचले दर्जे के मानदंडों के हिसाब से भी अगला सवाल होना चाहिए था कि वे किस तरह के पैसे की बात कर रही हैं, मगर अपने वालों से ऐसे वैसे सवाल नहीं पूछे जाते सो नहीं पूछा गया! बहरहाल बिना पूछे कहे ही भारत की वित्तमंत्राणी ने सार्वजनिक रूप से खुद यह मान लिया है कि मोदी की गारंटी वारंटी से चुनाव जीतने की बात झूठी है और यह भी कि उनकी पार्टी, चुनाव पैसे से वो भी 'उस तरह के पैसे से' लड़ती हैं और जाति धरम के समीकरणों के आधार पर ही जीत पाती है। यह एक सचमुच की गंभीर स्वीकारोक्ति है।

भारत में चुनाव को लेकर जो जनप्रतिनिधित्व क़ानून बना हुआ है उसमे अलग अलग स्तर के चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के लिए खर्च की अलग अलग सीमाएं तय की गयी हैं। लोकसभा चुनाव के लिए यह सीमा छोटी सीटों पर 75 लाख रुपए है और बड़ी सीट पर 95 लाख रुपए है। इत्ता पैसा तो निर्मला ताई के पास है ही; दो साल पहले राज्यसभा चुनाव के लिए भरे अपने नामांकन में उन्होंने अपनी कुल संपत्ति कोई ढाई करोड़ रुपए बताई थी।

देश में तीन चौथाई से ज्यादा लोगों के पास इतनी संपदा नहीं होती। मगर बकौल उनके 'यह मेरे वेतन, मेरी बचत, मेरी कमाई का पैसा है।' मतलब यह कि चुनाव लड़ने के लिए जिस तरह का पैसा चाहिए यह उस तरह का पैसा नहीं है। उनका बयान कुछ इस तरह का आभास दे रहा था जैसे मोदी सहित बाकी भाजपाई अपना खेत मकान बेचकर चुनाव लड़ते हैं ङ्क पार्टी नहीं लड़ती व्यक्ति चुनाव लड़ते हैं! अगर ऐसा ही है तो फिर ये हजारों करोड़ रुपयों के इलेक्टोरल बांड्स - जिनका नाम ही चुनावी बांड है ङ्क क्या दीवाली पर लक्ष्मी पूजा के समय सजाने के लिए इकट्ठा किये गये हैं? बिना बांड्स के भी उनकी पार्टी ने हजारों करोड़ रूपये और जुटाए हैं, जिनमें से करीब चार हजार करोड़ रुपयों की प्राप्ति उसने अपने आधिकारिक हिसाब में दर्ज की है। ये सारी रकम चुनाव के लिए नहीं है तो फिर किस काम के लिए है?

सत्ता में रहने के 10 वर्षों में सारा राजनीतिक संतुलन इतना एक पक्षीय कर दिया है जिसमें अब भरपूर जनाधार वाली पार्टियों के लिए भी मतदाताओं तक अपनी बात तक पहुंचाना नामुमकिन सा हो गया है। इन्हीं वित्तमंत्राणी के अधीन आने वाले इनकम टैक्स और ईडी जैसे विभागों ने विपक्षी राजनीतिक दलों को निशाने

पर लेकर न सिर्फ उन्हें मिलने वाले आर्थिक सहयोग को बाधित किया बल्कि उनके अपने संचित कोष को भी जब्त करके सामान्य चुनाव अभियान चलाना तक मुश्किल बना दिया। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले, चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद, देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के बैंक खातों को जब्त करना और बिना समुचित प्रक्रिया का पालन किये उस पर कई हजार करोड़ की पेनल्टी लगा देना इसी तरह के काम हैं।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैधानिक करार देकर रद्द और प्रतिबंधित किये गये चुनावी बांड्स इसी तरह का एक और घपला है। जिन्हें किसी भी तरह पूर्वाग्रही या विरोधी नहीं कहा जा सकता ऐसे अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर के अनुसार बांड काण्ड को सिर्फ भारत का सबसे बड़ा घोटाला कहना पर्याप्त नहीं है, यह दुनिया का सबसे बड़ा स्कैम (कांड) है। इन्होंने इसकी जिम्मेदारी तय करने और चुनावों में भाजपा को सजा देने की बात भी कही है। अपने को ईमानदार बताने वाली निर्मला सीतारमण इस घोटाले से अनभिज्ञ या निर्लिप्त होने का दावा नहीं कर सकतीं। आखिर वे भारत के वित्त मंत्रालय की मुखिया हैं।

पिछले 10 साल में अपने गरीब के गरीब बने रहने का दावा करने वाली इन्ही वित्तमंत्राणी जी का कार्यकाल रहा है जिसमे उनकी पार्टी के नेताओं ने चमत्कारी रफ़्तार से अपनी रईसी बढ़ाई है । इनके नेता अमित शाह के पुत्र जय शाह की कंपनी की संपत्ति एक साल में ही 50 हजार रूपये से बढ़कर 80 करोड़ 50 लाख हो जाना का एक उदाहरण काफी है। उन्हें याद होगा कि उनके प्रताप से इस बीच डॉलर अरबपतियों की तादाद 55 से 5 गुना से भी ज्यादा बढ़कर 271 हो गई है। बैंकों के साथ धोखाधड़ी 17 गुना बढ़ गई है। मुश्किल से एक प्रतिशत वाले अति-रईसों ने देश की 40 प्रतिशत दौलत कब्जा ली है जबकि देश की आधी आबादी के हिस्से में 0.1 प्रतिशत भी नहीं बचा।

अपने कबूलनामे से निर्मला सीतारमण ने न केवल अपनी पार्टी की 'उस तरह के पैसे' पर निर्भर असलियत उजागर कर दी है बल्कि; उस मुखौटे को भी तार तार कर दिया है जिसे जनता द्वारा चुने जाने, 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधि होने के दावों के रूप में धारण किया जाता रहा है।

वित्त मंत्राणी का चुनाव लड़ने से इनकार करना, कोई आधा दर्जन घोषित भाजपा उम्मीदवारों का अपनी टिकिट लौटाना, मीडिया और सभी नाम अनाम एजेंसियों के दल के दल साथ होने के बावजूद प्रधानमंत्री का हड़बड़ाना अनायास नहीं है, यह दीवार पर लिखी उस इबारत को पढ़ लेने का नतीजा है जिसमे सत्ता से विदाई का एलान साफ़ साफ़ शब्दों में दर्ज है। बशर्ते आने वाले सप्ताहों में इन हरूफों को और चमकीला बनाने में पूरी ताकत लगाई जाए। लोग समझ चुके हैं कि मोदी और उनकी भाजपा को हराना जरूरी भी है मुमकिन भी है।

राजनीति

आम चुनाव में जनता का घोषणा पत्र

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

सभी राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र बनाते हैं। तो हमने सोचा कि जनता की तरफ़ से भी एक घोषणा पत्र बनाया जाना चाहिए। सवाल है कि इसे लिखे कौन?... तो लिखना आने के कारण इसे हमने ही लिख दिया। अब जनता के सामने पेश करते हुए हम यह सोच रहे हैं कि अगर जनता इन घोषणाओं को अनुमोदित कर दे तो वह इन्हें कैसे पूरा करेगी? पर लोकतंत्र की हाईकमान तो जनता ही है, उसकी समझदारी पर संदेह क्यों करूं। जनता जब सोच में पड़ जाती है तो फिर कुछ किये बिना नहीं रहती।

तो हे जनता जनार्दन ! आपके अनुमोदन के लिए पेश है यह जन घोषणा पत्र...

1. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो जात-पांत, धर्म, मज़हब और रिलीजन के नाम पर हमें बांटकर और जनमत को लूटकर सरकार बनाने का कुचक्र रचता है।
2. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो अपने भ्रष्ट आचरणों के कारण बदनाम हो गया है और अपने अपराधों से बचने के लिए सत्ता पाना चाहता है।
3. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो देश के अभावग्रस्त पिछड़े लोगों के समर्थन से सरकार में अपनी जगह पाकर उन्हें अपने हाल पर छोड देने की आदत नहीं छोड़ पा रहा है।
4. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो हमारे परिवारों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समृद्धि के प्रति लापरवाह बना हुआ है और चुनाव में विजय पाकर केवल अपना स्वार्थ साधता रहता है।
5. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो अपने अहंकार में डूबकर किसी की बात नहीं सुनता। सवालों का सामना करने से घबराता है और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए हमसे झूठ बोलता है।
6. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो कुटिल राजनीतिक गिरोह बनाकर संविधान की उद्देशिका में स्थापित स्वतंत्रता, न्याय, समता और बंधुता के मूल्यों को प्राप्त करने के लोकतांत्रिक मार्ग को बाधित करता है।
7. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो लोकतंत्र में प्रतिपक्ष विमुख अधिनायक के रूप में केवल अपनी ही सत्ता के स्थायित्व का भ्रम पालकर अपने आप पर रीझ गया है।
8. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो हम हिन्दियों-हमवतनों के मन में विभेद पैदा करके राष्ट्र की शांति को भंग करना चाहता है।
9. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो हमसे सत्ता पाकर देश की संपत्ति और साधनों को हमारी परवाह किये बिना बाज़ार में बेच देने की हिमाकत करे।
10. हम भारत के लोग घोषणा करते हैं कि हम अपना वोट उस व्यक्ति को नहीं देंगे जो हमारे करोड़ों असहाय भाई-बहनों को मुफ़्त की रोटी का आश्वासन देकर उनसे केवल वोट की उम्मीद बांधता है और उनके जीवन को नाउम्मीदी की वीरानियों में अकेला छोड़ देता है।

यह दससूत्री घोषणा पत्र जनता के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है। जब राजनीतिक दल अपना घोषणा पत्र बना सकते हैं तो जनता भी बना सकती है। जनता चाहे तो बिना किसी प्रेस कान्फेरेन्स के इस घोषणा पत्र का मन ही मन अनुमोदन करके इस आम चुनाव में अपना निर्णय दे। चाहे तो अपनी अदालत में अगले पांच साल के लिए अपना फ़ैसला फिर सुरक्षित रख ले।

देश-गांव के विकास हेतु भाजपा को वोट दें : खण्डेलवाल

आधा दर्जन ग्रामों का दौरा कर चौपाल पर किया संवाद

बैतूल। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने 7 अप्रैल को आधा दर्जन ग्रामों दौरा कर चौपाल पर ग्रामीणों से संवादकर उनकी समस्यायें सुनी और लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। विधायक नें विधानसभा के झगडिया ,झाडेगांव, मंडईखुर्द, माथनी, लापाझिरी ग्रामों में चौपाल पर ग्रामीणो से चर्चा कर कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में विकास अवरुद्ध रहा। केन्द्र और मप्र. में भाजपा की सरकार बनते ही हर क्षेत्र में विकास ने रफ्तार पकड़ ली। उन्होंने कहा कि सिर्फ भाजपा ही है जो सबकी तरक्की की चिंता करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मप्र. सरकार द्वारा हर वर्ग के विकास के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल नें ग्रामीण से कहा कि आगामी चुनाव में देश और गांव के विकास के लिए भाजपा को वोट दें और बैतूल संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी सांसद डीडी.उइके को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनायें।

युवाओं-महिलाओं को रोजगार दिलवाकर सशक्त बनाएंगे - चौपाल पर ग्रामीण से चर्चा के दौरान विधायक श्री खंडेलवाल नें युवाओं और महिलाओं से रोजगार को लेकर संवाद किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा, जिससे उन्हे बेहतर रोजगार मिल सके। साथ ही स्वसहायता समूहो से अधिक से अधिक महिलओं को जोडक़र गौपालन, बकरी पालन, कृषि, उद्यानिकी, सिलाई सहित अन्य क्षेत्रो के माध्यम से रोजगार उपलब्ध करवाकर सशक्त बनाया जायेगा। स्वसहायता समूह से जुडी महिलाओं द्वारा उत्पादित उत्पादों की मार्केटिंग के लिए जिला मुख्यालय पर दुकानें उपलब्ध कराई जायेगी।

बैतूल विधायक के साथ दौरे के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, बैतूल विधानसभा संयोजक मधु पाटनकर, बैतूल (गामीण) मंडल अध्यक्ष नितिन बारस्कर, शक्ति केन्द्र प्रभारी मनोज वर्मा, पूर्व संरपंच सतीश सरनेकर, उपसरंपच सुखलाल उइके, सरपंच पुष्पा झरबड़े, उपसरपंच अरूणा मालवीय सहित ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्व नगर अध्यक्ष भी भाजपा में शामिल हुए

बैतूल। पूरे देश सहित बैतूल जिले में भी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधी धड़ल्ले से भाजपा में शामिल हो रहे है। साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत से अनेक कांग्रेसी भाजपा की विचाराधारा के साथ तेजी से जुड़ रहे है। इसी कड़ी में भाजपा के स्थाना दिवस कार्यक्रम के तहत विधायक हेमंत खंडेलवाल के समक्ष कांग्रेस के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं जिला राठौर क्षत्रिय समाज सचिव आनंद राठौर एवं विकास वार्ड कांग्रेस अध्यक्ष राकेश वानखेड़े ने भी कांग्रेस को छोडक़र भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। आनंद राठौर ने कहा कि वे कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्र के प्रति नीतियों से बेहद प्रभावित हुए हैं। इसी वजह से उन्होने भाजपा में शामिल होने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी मुझे जो भी दायित्व सौंपेगी मैं उन पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा और मोदी जी की नीतियों को घर-घर तक जाकर लोगों को बताने का प्रयास करूंगा। इस अवसर पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के साथ विवेक शुक्ला, मनीष धोटे, नरेन्द्र शुक्ला सहित अनेक कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

चुनाव आब्जर्वर ने लिया क्षेत्र के मतदान केंद्र और स्ट्रांग रूम का जायजा

बैतूल/मुलताई। लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने मुलताई पहुंचे चुनाव ऑब्जर्वर एवं आईएस प्रदीप कुमार ठाकुर ने मुलताई नगरीय क्षेत्र के मतदान केंद्रो में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं लोकसभा चुनाव प्रशिक्षण के दूसरे चरण के संबंध में जाना। चुनाव ऑब्जर्वर ने स्थानिय निर्वाचन अधिकारियों के साथ अंबेडकर वार्ड मतदान क्रमांक 116, भगत सिंह वार्ड में मतदान क्रमांक 118,119 एवं 120 में व्यवस्थाओं का जायजा लिया, इसके उपरांत

वह हाई स्कूल ग्राउंड पहुंचे जहां उन्होंने स्ट्रांग रूम एवं कंट्रोल रूम की व्यवस्था देखी। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तृप्ति पटैरया ने चुनाव आब्जर्वर को मुलताई विधानसभा क्षेत्र के 1 घंटे से अधिक समय में पहुंच वाले सालबर्डी मतदान केंद्र के संबंध में जानकारी दी , साथ ही विधानसभा क्षेत्र में 277 विकलांग और बुजुर्ग लोगों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा की गई मतदान व्यवस्था एवं क्षेत्र के 638 सर्विस वोटर जो की मुलताई क्षेत्र के निवासी है और सेना मे सर्विस करते हैं ऐसे स्थानीय मतदाता सेवा में रहकर ऑनलाइन मतदान कर सकेंगे इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी । इस अवसर पर एसडीओ पुलिस सुरेश पाल सिंह, तहसीलदार अनामिका सिंह ,नगर पालिका अधिकारी आर के ईवनाती, नायब तहसीलदार भगवानदास कुमरे, लोक निर्माण उपयंत्री डीआर कलमकर, नगर पालिका उप यंत्री योगेश अनेराव सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

दो दिवसीय कर्मा जयंती समारोह का हुआ समापन

कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद एवं पूर्व विधायक

बैतूल। साहू समाज समिति, सदर बाजार बैतूल के तत्वाधान में भक्त शिरोमणि माता कर्मा जयंती समारोह वर्ष 2024 का दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री पद्म शेषनागदेवता मंदिर परिसर, भगतसिंह वार्ड पक्का कुआ के पास, सदर बाजार में जयंती समारोह आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि डीडी उईके सांसद, अलकेश आर्य पूर्व विधायक मुख्य अतिथि रामचरण साहू अध्यक्ष पेंशनर, विशेष अतिथि

अखलेश फुलवार मुलताई, समिति के वरिष्ठ, बीएल साहू मैनेजर उपस्थित रहे। दो दिवसीय जयंती समारोह के तहत 4 अप्रैल को स्वच्छता अभियान पौधारोपण अभियान सहित दीपोत्सव एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। 5 अप्रैल को मां कर्मा जयंती के अवसर पर विशाल वाहन रैली का भव्य स्वागत किया गया। दोपहर 1.45 बजे से महापूजन कार्यक्रम, दोपहर 3.55 बजे से भजन कार्यक्रम, शाम 5.55 बजे से स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, अतिथियों के उद्बोधन प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत अभिनंदन प्रमिला साहू, माया साहू, पुष्पा चौधरी के द्वारा किया गया। समिति के सक्रिय सदस्य वेदांत साहू के द्वारा भक्त माता कर्मा जयंती समारोह के अवसर विशेष रूप से माता कर्मा के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार गुदवारे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेन्द्र कुमार गुदवारे, राजेन्द्र प्रसाद साहू, मूलचंद साहू, रमेश साहू, श्यामसुंदर साहू, सूर्यकान्त साहू, रश्मि साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

श्री अनहद संगीत महोत्सव संपन्न

देश के प्रख्यात संगीतज्ञ ने दी प्रस्तुति

बैतूल। श्री अनहद संगीत महोत्सव कंतिशिवा मल्टीप्लेक्स गंज में समाजसेवी राजीव खंडेलवाल और विवेक मालवीय के आतिथ्य में संपन्न हुआ। महोत्सव के साथ अनहद कला संगीत महाविद्यालय का भी भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आरंभ रूद्राष्टकम से किया और समापन दशवातारम से किया गया। जिसमें देश के प्रख्यात संगीतज्ञों ने शिरकत की। शास्त्रीय गायक पूज्य संत मुरलीदास जी महाराज ने आसावरी राग आधारित शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया। दिलीप रावत ने सूफी और सुगम, तबला तीन ताल राजेश विश्वकर्मा, समूह कत्थक नृत्य प्रस्तुति डॉ.उपासना उपाध्या रायगढ़ घराना, तबला सोला राजेश विश्वकर्मा सालीग्राम संगीत महाविद्यालय छिंदवाड़ा, सुफी एवं सुगम गायक देवानंद राव साजापुर अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर विशेष रूप से कमलेश रावत, विनोद परिहार, प्रतिभा लुहाडिया सहित बड़ी संख्या में संगीत रसिक मौजूद थे। आयोजक दिलीप रावत ने अंत में सभी संगीत प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संगीत प्रेमियों ने देर रात तक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया।

डॉ.सिंह की कलाकृति इंडोनेशिया प्रदर्शन के लिए चयनित

बैतूल। रेनबो आर्ट वर्ल्ड द्वारा इंटरनेशनल आर्ट कैंप एंड एग्जिबिशन 'मांईड्स आई' बाली इंडोनेशिया में 15 से 17 अप्रैल तक आयोजित की जा रही है। जिसमें विश्व के ख्यातिनाम कलाकारों की कलाकृतियों का संयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी के लिए बैतूल निवासी और वर्तमान में शासकीय गीतांजलि कन्या महाविद्यालय भोपाल में सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष) के पद फाइन आर्ट में पदस्थ डॉ.कीर्ति सिंह की कलाकृति का चयन किया गया है। प्रदर्शनी में 6 देशों के 30 कलाकार प्रख्यात कलाकार हिस्सा लेंगे। डॉ.कीर्ति सिंह का बचपन बैतूल जिले के छोटे आदिवासी गांवों में गुजरा है। जहां की हरियाली, प्रकृति, पगडंडियों आदि से आकर्षित होकर उन्होने इन्हें कला में उतारा है। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ छग से शिक्षित डॉ.सिंह ने विभागाध्यक्ष व उनके कला गुरु शिवप्रसाद चौधरी के मार्गदर्शन में कला की शिक्षा प्राप्त की। पिल्लर्स पर आधारित उनकी कलाकृति में पर्यावरण को लेकर हमेशा संदेश दिया जाता रहा है। डॉ.सिंह अनेकों राष्ट्रीय ओर अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड जीत चुके हैं। इनकी इस उपलब्धि पर जिलेवासी कलाप्रेमियों ने बधाई दी है।

कांग्रेस से ग्रामीण और शहर की परंपरा खत्म

हेमंत वागद्रे कांग्रेस कमेटी के फुल फ्लैश बने अध्यक्ष

बैतूल। जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुनील गुड्डू शर्मा के इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बैतूल ग्रामीण जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे को फूल फ्लैश अध्यक्ष के तौर पर नियुक्त कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने शनिवार देर रात जारी किए आदेश में हेमंत को जिला कांग्रेस कमेटी का फूल प्लेस अध्यक्ष मनोनीत कर दिया है। हेमंत को भेजे पत्र में राजीव सिंह ने कहा कि वे जिला स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती के लिए सौंपे गए दायित्व का निर्वहन करेंगे। इस नियुक्ति पत्र की कॉपी बैतूल जिला प्रभारी विधायक आरिफ मसूद को भी भेजी गई है।

गौरतलब है कि चार दिन पहले बैतूल में आयोजित कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन सभा में बैतूल पहुंचे पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और अन्य दिग्गज कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुनील गुड्डू शर्मा को मंच से भाषण न दिलवाए जाने से वे बेहद नाराज हो गए थे और पीसीसी अध्यक्ष के बैतूल से लौटने के दो घंटे बाद ही उन्होंने कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहर पद से इस्तीफा भी दे दिया था। इसके दूसरे ही दिन वे भाजपा प्रत्याशी की नामांकन सभा में बैतूल आए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष भाजपा में शामिल हो गए थे। इस नियुक्ति को लेकर राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी हो रही है कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा एक व्यक्ति को ही फूल फ्लैश जिलाध्यक्ष का पदभार देकर जिला कांग्रेस कमेटी में चल रही गुटबाजी को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

3 वर्ष से सूखे पेड़ काटने की अनुमति के लिए भटक रहा वन विभाग

नपा की अनुमति बताकर जनपद ने काट फेंके हरे-भरे वृक्ष

बैतूल/मुलताई। वन विभाग परिसर में लगे नीलगिरी के सूखे पेड़ वन विभाग परिसर में रह रहे परिवारों के लिए गंभीर संकट है और वन विभाग बीते 3 वर्षों से इन पेड़ों को काटने की अनुमति मांग रहा है किंतु नगर पालिका ने अब तक वन विभाग के परिसर में लगे इन सूखे पेड़ों को काटने की अनुमति नहीं दी। वहीं दूसरी ओर जनपद में दुकान निर्माण के लिए जनपद परिसर में लगे हरे भरे वृक्षों को जेसीबी से उखाड़ फेंका गया। दुकान निर्माण के नाम पर हरेभरे वृक्ष को काटकर उखाड़ फेंका गया। वृक्षों को काटा गया है उनमें करंजी के वृक्ष तीन ,एक अशोक का, एक बढ़ बरगद का एवं बकाओ का वृक्ष शामिल है। जब हमने मामले की पड़ताल की तो चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए है।

राजस्व निरीक्षक के पंचनामे अनुसार नहीं लिया गया वन विभाग का अभी मत- जनपद कार्यालय के सामने लगे हरे भरे वृक्षों को काटने से पूर्व राजस्व निरीक्षक द्वारा पंचनामा बनाया गया था जिसमें करंजी अशोक बरगढ़ आदि के पेड़ों का उल्लेख करते हुए यह कहा गया था कि जनपद दुकानों निर्माण के लिए पेड़ों को काटे जाना है किंतु हरे पेड़ों को काटे जाने के लिए वन विभाग का अभीमत लिए जाने के उपरांत ही अग्रिम कार्रवाई किया जाना उचित होगा।

वन विभाग ने नहीं दिया जनपद कार्यालय के हरे वृक्ष काटने का अभीमत - हमने जब इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी नितिन पवार से चर्चा की तो उनका कहना था कि हमसे जनपद कार्यालय के सामने लगे हरे वृक्षों को काटने के लिए कोई अभीमत नहीं लिया गया। उल्टा हम 3 वर्षों से वन विभाग परिसर में जो सुखे झाड़ है उसको काटने के लिए नगर पालिका से अनुमति मांग रहे हैं जो हमें नहीं मिली। वन विभाग परिसर में वन विभाग का स्टाफ और उनके परिवार रहता है यह सुखे पेड़ कभी भी गिर सकते हैं जिससे जन हानि हो सकती है। हमने नगर पालिका को सूखे पेड़ काटने की अनुमति के लिए पत्र लिखा तो उन्होंने हमें जनपद कार्यालय के हरे वृक्षों की फाइल भेज दी हमें आश्चर्य हो रहा है कि हमने वन विभाग के परिसर में लगे वृक्ष काटने की अनुमति मांगी तो उन्होंने जनपद कार्यालय के वृक्षों का विवरण भेज दिया ।

स्वीप कप क्रिकेट प्रतियोगिता 2024, नर्मदापुरम ऑफिसर्स इलेवन 3 विकेट से विजयी

कलेक्टर ने विजयी टीम को प्रदान किया विजयी कप

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन के अनुक्रम में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वीप कप क्रिकेट प्रतियोगिता में ऑफिसर्स इलेवन नर्मदापुरम ने 4 विकेट से विजय हासिल की। लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम पर रविवार को सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता बैतूल ऑफिसर्स इलेवन एवं नर्मदापुरम ऑफिसर इलेवन के बीच खेली गई। नर्मदापुरम ने टॉस जीतकर बैतूल ऑफिसर्स इलेवन को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

पुलिस कप्तान एवं बैतूल इलेवन क्रिकेट टीम के कप्तान निश्चल झारिया की कप्तानी में टीम ने 20 ओवर में 169 रनों का लक्ष्य रखा। इसमें हेमंत और वरुण सिंह ने 38 और 37 रनों का सर्वाधिक योगदान दिया। नर्मदापुरम ऑफिसर की ओर से बालिंग करते हुए श्री सुजान ने 4 विकेट और अनुराग ने 3 विकेट चटकाए। नर्मदापुरम ने 20 ओवर में 3 बोल रहते हुए 170 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विशाल शर्मा को दिया गया। बेस्ट बैट्समैन बैतूल के हेमंत और बेस्ट बॉलर सीईओ नर्मदा पुरम सुजान रावत को दिया गया। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने टॉस के बाद मैच शुरू होने से पूर्व खिलाडियों और दर्शकों को मतदान की शपथ दिलाई।

कप्तान और पुलिस कप्तान ने खेली आकर्षक पारी- बैतूल ऑफिसर्स इलेवन के कप्तान और जिले के पुलिस कप्तान ने अपनी कप्तानी पारी आज कई आकर्षक शॉट मारकर तालियां बटोरी। मध्यम क्रम पर बल्लेबाजी करने उतरे निश्चल झारिया ने अपनी 13 गेंदों की पारी में 3 चौके की मदद से 18 रन बनाए। कप्तान श्री झारिया सुजान रावत की गेंद पर पगबाधा आउट हुए।

नर्मदापुरम का विजयी अभियान

नर्मदापुरम इलेवन की ओर से ओपनर बल्लेबाज सुजान एवं अनिल ने 170 रनों के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए धीमी परंतु ठोस शुरुआत की। सुजान ने अपनी पारी में 3 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। अनिल 3 रन बनाकर जल्द ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद सुजान का साथ देने आए प्रतीक ने धुआंधार बल्लेबाजी कर 8 चौकों की मदद से 43 रनों को व्यक्तिगत पारी खेली। विशाल ने अपनी विशाल पारी खेलते हुए अर्द्ध शतक जड़ा। विशाल ने 4 चौकों और 01 विजयी छक्का मारा। अनुराग ने 6 रन बनाए और दिशा ने 01 रन की नॉट आऊट पारी खेली। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने खिलाडियों को कहा कि हर मैच का परिणाम हारजीत है। परंतु इस सद्भाव मैत्री मैच का उद्देश्य हार जीत से ऊपर मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक करना है। नर्मदापुरम की ओर से भी सुजान रावत ने बैतूल ऑफिसर्स को नर्मदापुरम में सौहार्द मैच के लिए आमंत्रित किया।

64 कलाओं पर आधारित कौशल शिविर प्रारंभ

ई.एफ.ए.शाला कन्या गंज में 20 विधाओं पर दिया जा रहा प्रशिक्षण

बैतूल। ई.एफ.ए.शासकीय कन्या उ.मा.विद्यालय बैतूल गंज में 64 कलाओं पर आधारित कौशल शिविर का आयोजन शासन के निर्देशानुसार प्राचार्य ललित लाल लिल्होरे के मार्गदर्शन में 5 अप्रैल से प्रारंभ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य ललित लाल लिल्होरे ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से छात्राओं को 20 विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे विद्यालय की छात्राओं को विभिन्न कलाओं की बारिकियों को समझाया जा सके। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं का व्यक्तित्व विकास करना और अच्छे समाज का निर्माण करना है जिसके लिए जिले के

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन लिया जा रहा हैं और हमारे विद्यालय में भी ऐसे विषय विशेषज्ञ है जिनका लाभ छात्राओं को मिलेगा। शिविर के प्रभारी शिक्षक महेश गुंजेले ने बताया कि छात्राओं को गायन, भित्ती चित्रण, लोकचित्रकला का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मनोज तिवारी एवं माधुरी पानकर द्वारा चित्रकला के महत्व को बताया गया। उन्होंने कहा कि चित्रकारी पहली विकसित कला है, जिसे हम जानते है यह हमारी अमूर्त सोच और हमारी आशाओं, भय और सपने के साथ दुनिया के हमारे भौतिक अनुभवों को विलीन करता है। हमारी संस्कृति के इन तत्वों को प्राचीन काल से लेकर आज तक की कलाओं में देखा जा सकता है। इन कलाओं के माध्यम से ही हमारा लोकजीवन, लोकमानस तथा जीवन का आंतरिक और आध्यात्मिक संबंध रहा हैं। हमें अपनी इस परम्परा से कटना नहीं है अपितु अपनी परम्परा से ही रस लेकर आधुनिकता को चित्रित करना हैं। छात्राओं को गायन के बारे में जानकारी देते हुए सुनंदा उइके एवं अशोक इवने ने गायन में स्वर के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगीत में वह शब्द जिसका कोई निश्चित रूप हो और जिसकी कोमलता या तीव्रता अथवा उतार-चढ़ाव आदि का सुनते ही, सहज में अनुमान हो सके स्वर कहलाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय संगीत में सात स्वर होते है इन सात स्वरों के मेल पर ही पूरा संगीत आधारित है छात्राओं को सात स्वरों का अभ्यास कराया गया।

मातृशक्ति ने प्रस्ताव पारित किया, किसी भी प्रकार का जिहाद बर्दाश्त नहीं करेगी दुर्गा ब्रिगेड

दुर्गा ब्रिगेड का महिला संसद कार्यक्रम धार में आयोजित हुआ

धार। रविवार को धार में दुर्गा ब्रिगेड का महिला संसद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ , कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ब्रिगेड की संयोजक स्वप्नजा बिड़कर ने बताया की धार नगर में दुर्गा ब्रिगेड का गठन किया गया था, जिसका उद्देश्य लव जिहाद, लेंड जिहाद, आर्थिक जिहाद के साथ अन्य सभी प्रकार के जिहाद के विरूद्ध हिंदु समाज को जाग्रत करना है, हिंदु मातृशक्ति भी अपनी रक्षात्मक शैली त्याग कर आक्रामकता के साथ इस षड़यंत्र को समाप्त करने के लिए खड़ी हो, जैसे माँ महिषासुर मर्दिनी ने असुरीशक्ति का सर्वनाश किया था वैसे ही धार की महिला शक्ति भी संगठित हो कर जिहाद को समाप्त करे, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साध्वी श्री 1008 महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा गिरी जी महाराज उज्जैन, कार्यक्रम की मुख्य वक्ता काजल हिंदुस्तानी जामनगर ओर कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुराधा तिवारी ने की. अनुराधा तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दू समाज के विरुद्ध किए जाने वाले सभी षड्यंत्र का मुकाबला संगठित हिन्दू शक्ति से ही होगा, पूज्य साध्वी जी ने अपने आशीर्वचन में दुर्गा ब्रिगेड की सराहना करते हुए कहा की हिन्दू को संगठित करने के लिए जो पहल की है वह अद्भुत है निश्चित ही यह पहल आने वाले समय में क्रांति लाएगी मेरा आशीर्वाद सभी के साथ है वही मुख्य वक्ता काजल हिन्दूस्तानी ने लव जिहाद , लेंड जिहाद और सभी तरह के जिहाद पर

जानकारी देते हुए बताया कि कैसे गजवा ए हिन्द के षड्यंत्र के लिए विभिन्न प्रकार के तरिके अपना रहे हैं , लव जिहाद योजना पुर्वक किया जा रहा है जो हिन्दू समाज को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है यह सब योजना पूर्वक अलग-अलग तरीकों से प्रायोजित किया जा रहा है फिल्में हो चाहे टीवी सीरियल हो या फिर जिम खाने हो सभी जगह हिंदू बहन बेटियों को जिहादियों द्वारा झूठे प्रेम जाल में फंसा कर जिहाद का शिकार किया जा रहा है.हम मातृशक्ति इस जिहाद से मुकाबला करने के लिए संकल्प बद्ध हो यह हिंदू समाज के प्रति हमारा ही दायित्व है क्योंकि परिवार में कैसा माहौल हो यह सुनिश्चित करना महिलाओं के हाथ में होता है वह अपनी बच्चियों को रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, सीता माता या फिर जीजा माता बनाना चाहती है अभी हमारे आदर्श फिल्मी हीरो हीरोइन है यही से लव जिहाद का प्रारंभ होता है हम सब विभिन्न जाति पेंट पूजा पद्धति में बड़े हुए हैं यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है इन सब कमजोरी को दूर करके ही हम हिंदू समाज को ऐसे षडयंत्रों से बचा सकते हैं हम सभी को अपनी रक्षात्मक शैली छोड़कर आक्रामक शैली अपनाना होगी, हम सब मातृशक्ति दुर्गा , महिषासुर मर्दिनी की पूजा करने वाली है पूजा केवल हर फूल प्रसाद से नहीं होती वरन माता के बताए मार्ग पर चलना ही असली पूजा है मैं आप सभी से आव्हान करती हूं अब किसी भी प्रकार का जिहाद धार की मातृ शक्ति बर्दाश्त नहीं करेगी.

कार्यक्रम के अंत में सभी महिला शक्ति ने पांच प्रस्ताव पारित करें जिसमें किसी भी प्रकार का जिहाद बर्दाश्त नहीं करेंगे, धार की मातृ शक्ति को हम जागृत करेंगे यदि कोई लव जिहादी किसी प्रकार का षड्यंत्र करता है तो हम उसे किसी भी कीमत पर रोकने का प्रयास करेंगे, कार्यक्रम के दौरान मंच पर दुर्गा ब्रिगेड की समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित एवं साथ ही धार नगर एवं ग्रामीण की मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थिति रही.

संस्था देववासिनी द्वारा विशाल स्वरूप में धूमधाम से मनाया जाएगा हिन्दू नववर्ष

गुढी पड़वा पर देववासिनी परिवार मिलन समारोह का आयोजन

देवास। शौर्य दिवस से संस्था देववासिनी द्वारा चामुण्डा माता टेकरी पर काशी के गंगा घाट पर होने वाली प्राचीन गंगा आरती की तरह निरंजनी महाआरती प्रारंभ की गई। वर्तमान में महाआरती में प्रति शनिवार, रविवार को हजारों की संख्या में भक्तो का जनसमूह उमड़ रहा है। संस्था सचिव महेश चौहान ने बताया कि संस्था देववासिनी द्वारा चैत्र नवरात्र का प्रारंभ हिंदू नववर्ष, गुड़ी पड़वा का पर्व विशाल स्वरूप में धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री चौहान ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि हिंदू नववर्ष से अनेक धार्मिक, पौराणिक संदर्भ जुड़े हुए है। मान्यता है कि ब्रह्मा जी द्वारा इसी दिन सृष्टि की उत्पत्ति की गई थी। चैत्र नवरात्र का प्रारंभ होता है। विजय का प्रतीक गुड़ी पड़वा पर्व मनाया जाता है। भगवान श्री राम का राज्याभिषेक, धर्मराज युधिष्ठिर का राजतिलक इसी दिन हुआ था। विक्रम संवत्सर का प्रारंभ, भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव अर्थात चैतीचण्ड उत्सव मनाया जाता है। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार जी का जन्मदिन अथवा वर्ष प्रतिपदा उत्सव इसी दिन मनाया जाता है। इन महान संदर्भों से जुड़े हिन्दू नववर्ष पर विशाल कार्यक्रम संस्था देववासिनी के संरक्षक सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी के संरक्षण, प्रसिद्ध समाजसेवी अशोक खंडेलिया की अध्यक्षता में विराट कृपा भवन हीरो शोरूम के पिछे, गंगानगर, ए बी रोड पर आयोजित किया गया है। अपनी संस्कृति, अपना दर्शन, तजें (छोडे) विदेशी आकर्षण, इस विचार के साथ 9 अप्रैल को शाम 6 बजे से प्रारंभ होने वाले देववासिनी द्वारा आयोजित हिन्दू नववर्ष परिवार मिलन कार्यक्रम के संयोजक पार्षद अजय तोमर है। सह संयोजक पार्षद संजय दायमा, निलेश वर्मा, भूपेश ठाकुर, श्रीमती ऋचु सवनेर, प्रवीण वर्मा, गोपाल खत्री, सोनू परमार, प्रतीक सोलंकी, संजय ठाकुर है। हिन्दू नववर्ष पर आयोजित विशाल कार्यक्रम में हजारों की संख्या में सनातनी हिन्दू समाज जनों के एकत्रित होने का अनुमान है। संस्था देववासिनी द्वारा लक्ष्य रखा गया है कि 6 दिसंबर से चामुण्डा माता टेकरी पर हो रही निरंजनी महाआरती में शहर के समस्त वार्डों से जिन भक्तो ने हिस्सा लिया है, वे परिवार व इष्ट मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में हिन्दू नववर्ष के विशाल कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हिस्सा बने। इसके लिए संस्था देववासिनी के कार्यकर्ताओं हरि सिंह धनगर, शंभू अग्रवाल, शेखर कौशल, पंकज वर्मा, जयेश पडियार, खिलेश शिंदे, अशीष दवे, पंडित योगेश, मनीष जैन, शुभम चौहान, देवेंद्र माली, अनुज शर्मा, दीपेश शर्मा, पंकज सोनी, रितेश उपाध्याय, रोहित द्वारा पिछले सप्ताह से शहर के विभिन्न वार्डों में बैठके की जा रही है। विविध धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं, समाजजनों को व्यापक स्तर पर पत्रक वितरण किए जा रहे है।

होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल उदयपुरा विधानसभा हेतु नियुक्त निर्वाचन प्रेक्षकों के लिए लायजनिंग ऑफीसर

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद अंतर्गत रायसेन जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 140-उदयपुरा के लिए 2004 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री सी.संतोष कुमार तुकाराम को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। पुलिस प्रेक्षक के सहयोग हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा श्री घनश्याम शर्मा का.निरीक्षक थाना अजाक रायसेन को लायजनिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद अंतर्गत रायसेन जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 140-उदयपुरा के लिए 2003 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ प्रीतम बी.यशवंत को सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रेक्षक के सहयोग हेतु श्री एके दुराफे सहायक यंत्री लोक निर्माण विभाग पीआईयू रायसेन को लायजनिंग ऑफीसर नियुक्त किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद अंतर्गत रायसेन जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 140-उदयपुरा के लिए 2009 बैच की आईए एण्ड एएस अधिकारी सुश्री मीना कुमारी मीना को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रेत खनिज का अवैध परिवहन करने पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशन में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि उक्त विभागों द्वारा संयुक्त रूप से रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध सख्त कार्यवाही निरन्तर की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार 5 अप्रैल को ग्राम बरण्डुआ में 1 ट्रेक्टर ट्राली, ग्राम रायपुर में 2 ट्रेक्टर ट्राली जप्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में रखवाई गई। इसके पूर्व 4 अप्रैल को ग्राम पाहनवर्री में 2 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जप्त कर पुलिस थाना इटारसी की अभिरक्षा में रखा गया तथा 3 अप्रैल को ग्राम बांद्राभान से 3 ट्रेक्टर ट्राली को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर जप्त कर थाना देहात की अभिरक्षा में रखा गया।

पीएम जनमन के हितग्राहियों ने मेंहदी लगाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में बागरी पंचायत के आजाद नगर की महिला मतदाताओं ने मेंहदीं लगाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया है। स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने भी सहभागिता निभाई है। कलेक्टर श्री वैद्य ने ग्राम की महिलाओं के द्वारा मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में की जा रही पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन सबसे आव्हान किया है कि स्वंय सात मई को मतदान करेंगे और क्षेत्र के अन्य सभी को भी मतदान करने हेतु अभिप्रेरित करेंगे। विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित कार्यक्रम में सभी को शत प्रतिशत मतदान करेंगे यह हमारा मौलिक अधिकार है कि शपथ दिलाई है।

भारत विकास परिषद देवास शाखा के चुनाव संपन्न

देवास। स्थानीय खेड़ापति होटल में भारत विकास परिषद की साधारण सभा हुई। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष सचिव एवं कोषाध्यक्ष का चयन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता एवं सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा की गई। इसके पश्चात सामूहिक वंदे मातरम गान किया गया। अध्यक्ष के लिए मीना राव का प्रस्ताव शशि माहेश्वरी ने किया, जिसका समर्थन पुष्पा बर्डीया एवं नेहा अग्रवाल ने किया। सचिव के लिए अंतिम अग्रवाल के नाम का प्रस्ताव मुकेश गर्ग ने किया जिसका समर्थन प्रतीक गुप्ता एवं नीरज सोनी ने किया। कोषाध्यक्ष के लिए शालिनी चव्हाण के नाम का प्रस्ताव निशांत अग्रवाल ने किया, जिसका समर्थन बबलू राव एवं सुनील माहेश्वरी ने किया। सचिव सुरेश डसानिया ने वर्ष भर किए गए कार्यक्रम की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष राजेश जोशी ने वर्ष भर के खर्च की जानकारी दी। वरिष्ठ सदस्य अशोक जाधव ने परिषद के उद्देश्य एवं सेवा कार्य के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन दीपिका गर्ग ने किया तथा आभार अध्यक्ष विक्रम आप्टे ने माना।

श्री खाटू श्याम सेवा समिति ने मनाया फाग महोत्सव

देवास। श्री खाटू श्याम सेवा समिति देवास द्वारा श्री श्याम वाटिका कालानी बाग पर श्री खाटू श्याम फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। फाग महोत्सव में बाबा की ज्योत जलाकर छप्पन भोग लगाया गया तथा महाआरती की गई भजन संध्या में जयपुर के भजन गायक चैतन्य दाधीच द्वारा बाबा भजनों के माध्यम से बाबा का भावभरा कीर्तन किया तथा अपने भजनों से उपस्थित जनों को रात्रि 3 बजे तक बांधे रखा। उपस्थित श्याम भक्त भी भजनों पर जमकर झूमते नाचते गाते रहे।

सलकनपुर देवीधाम नवरात्रि पर्व में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधिकारियों की ड्यूटी कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई

सीहोर (निप्र)। अप्रैल तक नवरात्रि पर्व मनाया जाना है। जिले के रेहटी तहसील के सलकनपुर में प्रसिद्व देवीधाम मंदिर में नवरात्री पर्व के दौरान कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उददेश्य एवं बडी संख्या मे श्रद्वालुओं के पहुचने से व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए तहसीलदार स्तर के कार्यपालिका दण्डाधिकारियों को व्यवस्थाए सुनिचित करेगें और अनुविभागीय दण्डाधिकारी बुधनी श्री राधेश्याम बघेल से समय समय पर समन्वय कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा व्यवस्था बनाये रखने के लिए ड्यूटी लगाई जाती है। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार श्री राधेश्याम बघेल, अनुविभागीय अधिकारी बुदनी सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी होगें और इनके सहयोग के लिए श्री भूपेन्द्र कैलासिया, तहसीलदार रेहटी, श्री रितेश जोशी, नायब तहसीलदार बुदनी,श्री सौरभ वर्मा, तहसीलदार बुदनी, श्री ओम प्रकाश चोरमा, अति0 तहसीलदार बुदनी, श्री सोरभ शर्मा, तहसीलदार भैरूंदा, श्री संदीप गौर, नायब तहसीलदार भैरूंदा, श्री श्यामनंदन चंदेले, नायब तहसीलदार श्यामपुर, श्री युग्विजय यादव, नायब तहसीलदार रेहटी, श्रीमति रितु भर्गव, तहसीलदार इछावर, श्री अविनाश सोनानिया, तहसीलदार जावर, श्री नवल किशोर कटारे, नायब तहसीलदार इछावर, श्री मुकेश सांवले, नायब तहसीलदार आष्टा, सुश्री चंचल जैन, नायब तहसीलदार आष्टा%,श्री पंकज पवैया, प्रभारी तहसीलदार आष्टा, श्री अर्पित मेहता, तहसीलदार दौराहा, श्री धनजी मालवीय, नायब तहसीलदार श्यामपुर, श्री भरत नायक, तहसीलदार सीहोर, श्री सिद्धांत सिघंला, नायब तहसीलदार सीहोर शामिल है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शुक्रवार को भ्रमण के दौरान ग्राम पीपलखेडा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से स्थानीय नागरिकों खासकर मरीजो को बेहतर सुविधाएं मिले। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के नवीन भवन का अधिक से अधिक सदुपयोग करने पर बल दिया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के वार्डो, दवा वितरण, चिकित्सको की बैठक व्यवस्था सहित अन्य के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु किए गए प्रबंधो का अवलोकन किया है। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि वे अस्पताल में अपनी सेवाएं निरंतर दें। ताकि क्षेत्र स्वास्थ्य सुविधाओं के मामलो में पिछड ना पाए।कलेक्टर श्री वैद्य के संज्ञान में लाया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक्सरे मशीन तो है किन्तु संचालन के लिए टैक्निशयन नहीं है और बिजली की आपूर्ति में हो रही दिक्कतो से अवगत कराया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने शीघ्र ही एक्सरे मशीन संचालन के लिए टैक्निशयन की सुविधा जिला चिकित्सालय के मार्फत से पूर्ति कराने और बिजली के लिए आवश्यक ट्रांसफार्मर के संबंध में कार्यवाहियां कराने के निर्देश दिए है। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के तकनीकी स्टॉफ से संवाद कर स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं को जाना है। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि वे अपनी उपस्थिति बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से दर्ज कराए। चिकित्सकों को रहने, खाने में कोई दिक्कते ना आए इसके लिए स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों ने एक सूत्र में पूरी मदद करने से आश्वस्त कराया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने दूरस्थ क्षेत्र में स्थित मतदान केंद्रों की व्यवस्थाएं देखीं

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने गुरुवार शाम को टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम बड़झिरी, लाखदेह, चूरनी और सिंगोड़ा का दौरा कर वहां बनाए गए मतदान केंद्रों में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने दूरस्थ क्षेत्र में स्थित इन ग्रामों में मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता न होने से वायरलेस सेट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, ताकि मतदान के दिन संदेशों का आदान प्रदान आसानी से किया जा सके। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि सभी मतदान केंद्रों की रंगाई- पुताई,सफाई व मरम्मत कराई जाए, तथा सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए पेयजल व्यवस्था रेम्प की व्यवस्था,और महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था के साथ साथ विद्युत व्यवस्था और इनवर्टर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी मतदान केंद्रों पर लोकसभा निर्वाचन - 2024 के लिए मतदान की तिथि, मतदाताओं की संख्या, मतदान केंद्र में शामिल ग्रामों की जानकारी अंकित करने के निर्देश भी दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने वहां उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर सरकार की योजनाओं का लाभ गांव में ग्रामीणों को मिलने, गांव की पेयजल समस्या, और उचित मूल्य की दुकान से सामग्री वितरण के संबंध में जानकारी भी ली। ग्राम बड़झिरी में उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क की रिपेयरिंग तत्काल करवाने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को दिए।

ग्राम बड़झिरी, लाखदेह, चूरनी और सिंगोड़ा का किया दौरा

शत-प्रतिशत मतदान करेंगे

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शुक्रवार को ग्राम करारिया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में 82 प्रतिशत मतदान हो सकता है तो इस लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। मतदान 100 प्रतिशत कैसे होगा के संबंध में उन्होंने पूर्व अनुभवो को सांझा किया। उन्होंने कहा कि ग्राम का हर नागरिक मतदान करें यह सामूहिक जबावदेही होनी चाहिए। हम प्रजातंत्र के इस महाकुंभ में पीछे ना रहें। कार्यक्रम को जिला पंचायत सीईओ ने भी सम्बोधित किया। एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने शपथ का वाचन किया जिसें स्थानीय ग्रामीणो सहित अन्य ने दोहराया है।

डाइट में मनाया गया मतदाता जागरूता सप्ताह मतदाताओं को दिलाई गई जागरूकता की शपथ

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह द्वारा सभी संबंधित विभागों जिनमें महाविद्यायल, स्कूल, आंगनबाडी, महिला बाल विकास सहित सभी संबंधित विभागों को लोकसभा निर्वाचन के अन्तर्गत अधिक से अधिक मतदान करने एवं आम लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग करनी और अपने घर परिवार एवं आस-पास के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाये। इसी के तहत ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सीहोर द्वारा एक मतदाता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके तहत आज डाइट में सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी एवं प्राचार्य डॉ अनिता बड़गुर्ज़र ,डीपीसी श्री रमेशराम उईके, पांच विकास खण्ड के बीआरसी, बीएससी, जनशिक्षक, जनशिक्षा केंद्र प्रभारी और डाइट के स्टाफ़ और छात्र आध्यापक को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था और विश्वास के साथ लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करने और अपने आस-पास के लोगों को भी प्रेरित कर मतदान कराने की शपथ दिलायी गई। साथ ही डाइट प्राचार्य ने मतदान की शपथ के साथ हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ सीईओ ज़िला पंचायत श्री आशीष तिवारी ने किया ।

रेलवे फाटक तोड़कर चलती ट्रेन से टकराई कार

7 घंटे अनूपपुर स्टेशन पर खड़ी रही हीराकुंड एक्सप्रेस

एक की मौत, एक घायल

अनूपपुर (नप्र)। अनूपपुर जिले में तेज रफ्तार कार रेलवे फाटक तोड़कर चलती ट्रेन से जा टकराई। हादसे में कार ड्राइवर की मौत हो गई जबकि उसका साथी घायल हो गया। ट्रेन के आखिरी तीन कोच को भी नुकसान पहुंचा। इसके चलते वह करीब 7 घंटे अनूपपुर जंक्शन पर खड़ी रही। कोच बदलने के बाद ट्रेन को रवाना किया जा सका। हादसा जैतहरी थाना क्षेत्र में बेलिया फाटक पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हुआ। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कार ड्राइवर की मौके पर ही मौत

छिंदवाड़ा निवासी नरेंद्र वर्मा जैतहरी के मोजरबियर प्लांट में काम करते थे। शनिवार रात वे अपनी कार नंबर MP65C3984 से परमेश्वर साहू के साथ अनूपपुर आ रहे थे। इसी दौरान करीब 12 बजे बेलिया फाटक पर कार अनियंत्रित हो गई। वह फाटक तोड़ते हुए ट्रैक से गुजर रही हीराकुंड एक्सप्रेस से टकरा गई। नरेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। परमेश्वर को अनूपपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से हालत गंभीर होने पर उसे बिलासपुर के लिए रेफर कर दिया गया।

ट्रेन का ब्रेकिंग सिस्टम पाइप फटा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अंबिकेश साहू ने कहा, कार फाटक का बूम बैरियर तोड़ते हुए ट्रेन के आखिरी डिब्बों से टकराई। तीन डिब्बों के ब्रेकिंग सिस्टम का पाइप फट गया। हादसे के बाद ट्रेन को अनूपपुर रेलवे स्टेशन लाया गया। सुबह 7.30 बजे डिब्बे बदलने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

ट्रेन के सभी यात्री सुरक्षित

रेलवे गेटकीपर केदारनाथ राठौर ने बताया कि ट्रेन विशाखापट्टनम से अमृतसर की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। ट्रेनसवार किसी भी यात्री को चोट नहीं पहुंची थी। असिस्टेंट लोको पायलट अमरजीत कुमार ने कहा, हादसे में ट्रेन की एस 3, एस 5 और एस 6 कोच डैमेज हो गए थे। वहीं, एसपी जितेंद्र सिंह पंवार ने बताया कि बेलिया रेलवे फाटक 90 डिग्री के टर्न पर है। कार इतनी स्पीड में थी कि फाटक तोड़ते हुए आगे बढ़ गई।

आरजीपीवी मामले में एबीवीपी ने घेरा सीएम हाउस

आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण का आरोप, सीएम मोहन यादव ने मिलने बुलाया

भोपाल (नप्र)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुए घोटाले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने श्यामला हिल्स स्थित सीएम हाउस के बाहर 3 घंटे नारेबाजी की। उनका कहना था कि पुलिस इस मामले में लापरवाही बरत रही है। आरोपियों को एक महीने बाद भी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। परिषद के कार्यकर्ताओं पुलिस कमिश्नर को हटाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान उनकी सीएम हाउस के बाहर श्यामला हिल्स थाने के टीआई देवेंद्र सिंह यादव से जमकर बहस हुई। अपने बंगले के बाहर विद्यार्थी परिषद के प्रदर्शन की खबर जैसे ही सीएम मोहन यादव को लगी उन्होंने परिषद के प्रतिनिधि मंडल को बातचीत के लिए बुला लिया। सीएम ने परिषद के सदस्यों से बात कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। परिषद के सदस्यों ने अपनी मांगें भी सीएम को पढ़कर सुनाई। सीएम से मुलाकात के बाद परिषद के सदस्य पैदल तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने जमकर नारेबाजी कर धरना दिया। मंत्री के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा।

निर्वाचन आयोग से करेंगे शिकायत: विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का ये भी कहना है कि आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण के चलते नहीं पकड़ा गया है। इस दौरान उन्होंने भोपाल पुलिस कमिश्नर के खिलाफ भी नारेबाजी की। एबीवीपी के प्रांत मंत्री संदीप वैष्णव ने बताया की अगर भोपाल पुलिस कमिश्नर तत्काल प्रभाव से उचित कार्रवाई नहीं करते हैं तो हम निर्वाचन आयोग से उनको हटाने की मांग करेंगे।

सबूत मिटाने का आरोप

विद्यार्थी परिषद का मानना है कि भोपाल पुलिस लगातार अपराधियों को पकड़ने में नाकाम रही है। इतने लंबे समय तक अपराधियों को सबूत मिटाने का समय दिया गया है। एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा ने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी से किस को डर लग रहा है।

आलसी जानवर से की भोपाल पुलिस की तुलना: एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि पुलिस की इच्छा शक्ति हो तो वो बड़े से बड़े अपराधी को घंटों में पकड़ सकती है। आरजीपीवी के करोड़ों रुपए कुलपति, कुल सचिव, वित्त नियंत्रक ने निजी खाते में भेजे। पुलिस ने एफआईआर भी एक माह बाद दर्ज की। एफआईआर दर्ज होने इतने दिन बाद भी उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई। पुलिस प्रशासन का ये रवैया तो दुनिया के सबसे आलसी जानवर 'स्लोथ' से भी ज्यादा ढीला हो गया है। भोपाल पुलिस को स्लोथ सेना घोषित कर देना चाहिए।

पुलिस कमिश्नर की अकर्मण्यता के आरोप: एबीवीपी के प्रांत मंत्री संदीप वैष्णव ने कहा कि आरजीपीवी के करोड़ों के घोटालों पर आखिर शासन प्रशासन का मौन व्रत क्यों है, क्या पुलिस मैनेज है? या भ्रष्टाचारी रिश्तेदार लगते हैं? या राजनैतिक संरक्षण है? या अपराधियों की गिरफ्तारी का डर सताता है? एबीवीपी के कार्यकर्ता जब तक भ्रष्टाचारियों की गिरफ्तारी नहीं होती तब तक चरणबद्ध आंदोलन करेंगे, और आगामी समय पर प्रदेशव्यापी आंदोलन भी करेंगे। भोपाल पुलिस कमिश्नर की अकर्मण्यता पर भी आज कई प्रश्न उठ रहे हैं। इस प्रदर्शन में भोपाल महानगर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

क्रिटिकल बूथ की लेंगे पल-पल की रिपोर्ट

वेबकास्टिंग और सीसीटीवी के साथ माइक्रो आब्जर्वर होंगे क्रिटिकल बूथों पर तैनात

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में चुनाव नामांकन के 2 चरण पूरे होने और मतदान के समय नजदीक आने के साथ चुनाव आयोग का फोकस शांतिपूर्ण निर्वाचन पर बढ़ा है। इसको लेकर ही चुनाव आयोग ने कलेक्टरों से कहा है कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए वेब कास्टिंग या सीसीटीवी कैमरों से नजर रखने के साथ हर क्रिटिकल बूथ पर माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए जाएंगे। आयोग के निर्देश हैं कि गैर (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) माइक्रो ऑब्जर्वर को भी मतदान के दिन महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक माइक्रो ऑब्जर्वर क्रिटिकल बूथों पर मतदान के दिन की हर गतिविधि पर नजर रखेगा। उसका कार्य यह देखना है कि निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से चले तथा मतदान प्रक्रिया दूषित न हो। माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान के दिन निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक के निरंतर सम्पर्क में रहेंगे तथा मतदान को प्रभावित करने वाली हर गतिविधि की सूचना सीधे मोबाइल फोन या वायरलेस या संचार के अन्य किसी साधन से सामान्य प्रेक्षक को देंगे। मतदान समाप्ति के बाद माइक्रो आब्जर्वर निर्धारित

प्रारूप में अपनी रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में सामान्य प्रेक्षकों को ही सौपेंगे।

जहां उपलब्ध नहीं उन जिलों में पड़ोसी जिलों से बुला सकेंगे माइक्रो आब्जर्वर: भारत निर्वाचन आयोग ने कहा है कि माइक्रो आब्जर्वर केंद्र शासन के या केंद्र शासन के उपक्रमों के कर्मचारियों को बनाया जा सकेगा। ये कर्मचारी ग्रुप सी से निम्न श्रेणी के नहीं होंगे। ऐसे कर्मचारी माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में अपने निवास के जिले में मतदान केंद्रों पर नियुक्त किये जा सकेंगे। ऐसी स्थिति में जहां जिले में माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र शासन अथवा केंद्र शासन के उपक्रमों के कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं, वहां पड़ोसी जिलों में पदस्थ भारत सरकार या केंद्रीय उपक्रमों के कर्मचारियों को माइक्रो ऑब्जर्वर बनाया जा सकेगा।

90 मिनट पहले पहुंचना होगा, हर एक्टिविटी के देंगे प्रेक्षक को रिपोर्ट

निर्वाचन आयोग के मुताबिक माइक्रो ऑब्जर्वर को मतदान सबंधी नियमों एवं प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्हें प्रेक्षण के कार्य जो उनसे अपेक्षित हैं तथा रिपोर्ट जो उनके द्वारा प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है उसके तरीके के बारे में भी प्रशिक्षित किया जायेगा। आयोग ने कहा है कि माइक्रो ऑब्जर्वर को मतदान के दिन 90 मिनट पहले मतदान केंद्रों पर पहुंचना होगा। माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान केंद्रों पर मतदान की तैयारियों, मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं तथा मॉक पोल से लेकर वास्तविक मतदान शुरू होने एवं मतदान खत्म होने तक की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। वे मतदान के दिन निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक से लगातार संपर्क में रहेंगे और सीधे उन्हें ही अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। निर्वाचन आयोग के मुताबिक क्रिटिकल बूथों पर माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती में यह ध्यान में रखना होगा कि जिस निर्वाचन क्षेत्र के निवासी हैं, उन्हें उसकी बजाय दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में तैनात किया जाये। मतदान कर्मियों की तरह माइक्रो ऑब्जर्वर की मतदान केंद्र पर तैनाती भी रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया से होगी। उन्हें भी डाकमत पत्र अथवा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट से मतदान की सुविधा दी जायेगी।

खजुराहो में एआईएफबी प्रत्याशी को समर्थन दे सकती है कांग्रेस

पीसीसी चीफ से मिले राजा भैया; जीतू बोले- बिहारी स्टाइल में चुनाव जीतना चाहती है बीजेपी

भोपाल (नप्र)। खजुराहो लोकसभा सीट पर कांग्रेस अब ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) प्रत्याशी व रिटायर्ड आईएएस राजा भैया प्रजापति को समर्थन दे सकती है। प्रजापति ने रविवार सुबह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से मुलाकात की है। इसके बाद प्रजापति ने मीडिया से कहा, खजुराहो सीट पर अब जो प्रत्याशी बचे हैं, मैं उनमें सबसे मजबूत हूं। इंडिया गठबंधन का यहां कोई उम्मीदवार नहीं है। मैं चाहता हूं कि वे मुझे समर्थन दें। पटवारी ने आश्वासन दिया है कि कांग्रेस मेरा समर्थन करेगी। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से इसको लेकर कोई बयान अब तक नहीं दिया गया है।

सपा उम्मीदवार का नामांकन फॉर्म हो चुका निरस्त: दरअसल, इंडिया गठबंधन की तरफ से खजुराहो सीट पर समाजवादी पार्टी नेता मीरा दीपनारायण यादव को उम्मीदवार बनाया गया था। उनका नामांकन फॉर्म 5 अप्रैल को निरस्त कर दिया गया। पन्ना जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार मिश्रा ने बताया था कि फॉर्म पर निश्चित जगह हस्ताक्षर नहीं करने और पुरानी नामावली लगाने के चलते यह फैसला लिया गया। वहीं, इंडिया गठबंधन भी यहां नई संभावनाओं की तलाश में है। सपा प्रत्याशी मीरा दीपनारायण यादव ने नामांकन के आखिरी दिन 4 अप्रैल को पर्चा दाखिल किया था।

जीतू बोले- बिहारी स्टाइल में लड़ना चाहते हैं बीजेपी अध्यक्ष: उधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, एआईएफबी प्रत्याशी आरबी प्रजापति ने मुझे बताया कि उन पर दबाव डाला जा रहा है। 2 दिन पहले समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी का नामांकन निरस्त हो गया। पर्चा कैसे निरस्त कराया गया? कलेक्टर बीजेपी कार्यकर्ता के तौर पर काम कर रहे हैं। हम इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। पटवारी ने कहा, बीजेपी के जो अध्यक्ष हैं, वे बिहारी और फिल्मी स्टाइल में चुनाव लड़ना चाहते हैं। प्रत्याशियों का

अपहरण कर लो। डरा दो। पैसे से खरीद लो, इस तरीके से चुनाव लड़ना चाहते हैं। खजुराहो में यदि एक भी प्रत्याशी बैठता है तो हम कह सकते हैं कि तानाशाही तरीके से बीजेपी चुनाव जीतना चाहती है। इसी तरीके से 400 सीटें पार करना चाहती है। मैं चुनाव आयोग से मांग करता हूं कि सभी प्रत्याशियों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

प्रजापति ने कहा-वे निर्विरोध निर्वाचन कराना चाहते हैं: एआईएफबी उम्मीदवार आरबी प्रजापति ने चर्चा में कहा, नाम निर्देशन पत्र की छंटनी के बाद उन्होंने देखा कि ये उम्मीदवार ही मजबूत पोजिशन में हैं तो उन्होंने मुझ पर दबाव बनाया। मैंने दबाव को अस्वीकार कर दिया। भारत निर्वाचन आयोग में शिकायत की है। यह पूछने पर कि क्या बाकी उम्मीदवारों पर भी फॉर्म वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है, प्रजापति ने कहा- हो सकता है कि बाकी प्रत्याशियों पर भी दबाव बन रहे होंगे। ये बात वही प्रत्याशी बता सकते हैं। जो परिस्थितियां हैं, उसके हिसाब से तो यही लगता है कि इस सीट को प्रत्याशी विहीन कर निर्विरोध निर्वाचन कर दिया जाए लेकिन ऐसा होगा नहीं।

म.प्र.में 4 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट, ओले भी गिरेंगे

10 अप्रैल तक पूरा प्रदेश भीगेगा, भोपाल में हुई रिमझिम बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानी 7 से 10 अप्रैल तक ओले-बारिश का दौर रहेगा। 30 से 60 किमी प्रतिघंटे तक की रफ्तार में आंधी चलने का भी अनुमान है। इसके चलते मौसम वैज्ञानिकों ने रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। भोपाल में रविवार बिजली कड़कने के साथ बारिश हुई। बादलों के बीच धूप भी निकल रही है। इंदौर में भी मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। सुबह से बादल छाने के साथ बीच-बीच में धूप भी खिल रही है। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, 10 अप्रैल को सिस्टम ज्यादा स्ट्रॉन्ग रहेगा। इससे भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा समेत पूरे प्रदेश में कहीं बारिश तो कहीं ओले-आंधी का दौर जारी रह सकता है। अप्रैल में पहली बार साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी है। इस कारण आंधी, बारिश, ओले और आकाशीय बिजली की गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

10 में से 7 साल बारिश का ट्रेंड : बता दें कि अप्रैल महीने में प्रदेश में आंधी-बारिश का ट्रेंड है। पिछले 10 में से 7 साल बारिश हुई थी। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। पूरे प्रदेश के भीगने की

संभावना है।

इसलिए ऐसा मौसम

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. सिंह ने बताया कि चक्रवाती हवाओं में और ज्यादा सक्रियता आने लगी है। इसके अलावा उत्तर भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी एक्टिव है। अगले एक-दो दिन में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और स्ट्रॉन्ग होगा। इससे मध्यप्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में नमी का फ्लो बना रहेगा। मध्यप्रदेश के दक्षिण हिस्से में भी असर रहेगा। 10 अप्रैल को सिस्टम और स्ट्रॉन्ग हो जाएगा। इस दिन पूरे प्रदेश में बारिश, ओले और आंधी का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने इस दिन के लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया है।

कब-कहां होगी बारिश

7 अप्रैल: विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, सिंगरौली, मऊगंज, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, बालाघाट और मैहर जिलों में हल्की बारिश के साथ 30 से 40 किमी की स्पीड से आंधी भी चलेगी। वहीं, आकाशीय बिजली के गिरने या गरज-चमक की स्थिति भी बनी रहेगी। बैतूल, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और पांढुर्णा में ओले भी गिर सकते हैं।

8 अप्रैल: विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, अशोकनगर, रीवा, सतना, शहडोल, नरसिंहपुर, मंडला, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और मैहर जिलों में हल्की बारिश होने का अनुमान है। वहीं, बैतूल, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट और पांढुर्णा में मध्यम बारिश हो सकती है। यहां 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी और ओले गिरने का भी अनुमान है।

9 अप्रैल: नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में रेड अलर्ट जारी किया गया है। 50 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है। रायसेन, हरदा, खंडवा, सिवनी, बालाघाट और सागर में ऑरेंज अलर्ट है।

भोपाल में अगले 4 दिन तेज गर्मी से राहत, दो दिन बादल छाए रहेंगे

भोपाल में अगले 4 दिन तेज गर्मी से राहत मिलेगी। रविवार और सोमवार को बादल छाए रहेंगे, जबकि 9 और 10 अप्रैल को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। भोपाल में रविवार तड़के से ही बिजली कड़कने के साथ बूंदाबांदी हो रही है। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, 10 अप्रैल को सिस्टम ज्यादा स्ट्रॉन्ग रहेगा। इससे पहले शनिवार को बादल छाए रहे। इससे टेम्प्रेचर 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने का असर भोपाल में भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने 9 और 10 अप्रैल को भोपाल के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इसके चलते हल्की बारिश, 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा और आकाशीय बिजली चमकने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, मौसम दोपहर बाद बदलेगा। रात में आकाशीय बिजली चमकने के साथ गिर भी सकती है।